संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 31
पृष्ठ 8
शुक्रवार
18 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरद पूर्णिमा पर चावल .... विचार- अमीर-गरीब देशों .... खेल- धोनी को नहीं, अश्विन....

दुनिया को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में मिलेगा समाधान : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पूरे विश्व को महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं ग्रहण कर शांति की राह पर चलना चाहिए, क्योंकि दुनिया को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में समाधान मिल सकता है। श्री मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि एक जरूरत भी हैं। उन्होंने कहा, "मैं आज अभिधम्म पर्व पर पूरे विश्व का आवाहन करता हूं– बुद्ध से सीखिए...युद्ध को दूर करिए...शांति का पथ प्रशस्त करिए...क्योंकि, बुद्ध कहते हैं– "नत्थि–संति–परम–सुखं" अर्थात, शांति से बड़ा कोई सुख नहीं है।" उन्होंने कहा, "नही वेरेन वैरानि सम्मन्तीध कुदाचनम, अवेरेन च सम्मन्ति एस धम्मो सनन्ततो" अर्थात वैर से वैर, दुश्मनी से दुश्मनी शांत नहीं होती। वैर अवैर से, मानवीय उदारता से खत्म होता है। बुद्ध कहते हैं– "भवतु–सब्ब–मंगलम" ।। यानी, सबका मंगल हो, सबका कल्याण हो– यही बुद्ध का संदेश है, यही मानवता का

पथ है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि हर देश अपनी विरासत को अपनी पहचान से जोड़ता है, लेकिन भारत इस मामले में बहुत पीछे रह गया है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले आक्रमणकारियों ने भारत की पहचान को मिटाने की कोशिश की। बाद में गुलाम मानसिकता से ग्रसित लोगों ने ऐसा किया। आजादी के बाद एक ऐसे समूह ने देश पर कब्जा कर लिया, जो इसे अपनी विरासत की विपरीत दिशा में ले गया। उन्होंने कहा कि पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा है। पाली भाषा को जिंदा रखना, भगवान बुद्ध के शब्दों को जिंदा रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले 2021 में कुशीनगर में ऐसा ही आयोजन हुआ था। वहां उस आयोजन में भी मुझे शामिल होने का सौभाग्य मिला था और ये मेरा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव की जो यात्रा मेरे जन्म के साथ ही शुरू हुई है, वो अनवरत जारी है। मेरा जन्म गुजरात के उस वडनगर में हुआ, जो एक समय बौद्ध धर्म का महान केंद्र हुआ करता था। उन्हीं प्रेरणाओं को जीते–जीते मुझे बुद्ध के धम्म और शिक्षाओं के प्रसार के इतने सारे अनुभव मिल रहे हैं।" श्री मोदी ने कहा, "पिछले 10 वर्षों में भारत के ऐतिहासिक बौद्ध तीर्थ–स्थानों से लेकर दुनिया के अलग–अलग देशों तक नेपाल में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के दर्शन, मंगोलिया में उनकी प्रतिमा के अनावरण से लेकर श्रीलंका में वैशाख समारोह तक. ...मुझे कितने ही पवित्र आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला है। मैं मानता हूँ, संघ और साधकों का ये संग, ये भगवान बुद्ध की कृपा का ही परिणाम है। मैं आज अभिधम्म दिवस के इस अवसर पर भी आप सभी को और भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को अनेक–अनेक शुभकामनाएँ देता हूँ। आज शरद पूर्णिमा का पवित्र पर्व भी है। आज ही, भारतीय चेतना के महान ऋषि वाल्मीकि जी की जन्म जयंती भी है। मैं समस्त देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती की भी बधाई देता हूं" उन्होंने कहा कि इस वर्ष अभिधम्म दिवस के आयोजन के एक साथ, एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी जुड़ी है। भगवान बुद्ध के अभिधम्म, उनकी वाणी, उनकी शिक्षाएँ, जिस पाली भाषा में ये विरासत विश्व को मिली हैं, इसी महीने भारत सरकार ने उसे क्लासिकल लैंग्वेज (शास्त्रीय भाषा) का दर्जा दिया है। इसलिए, आज ये अवसर और भी खास हो जाता है। पाली शास्त्रीय भाषा का ये दर्जा, पाली भाषा का ये सम्मान भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। श्री मोदी ने कहा, "आप सभी जानते हैं, अभिधम्म धम्म के निहित है। धम्म को, उसके मूल भाव को समझने के लिए पाली भाषा का ज्ञान आवश्यक है। धम्म यानी, बुद्ध के संदेश, बुद्ध के सिद्धान्त. ..धम्म यानी, मानव के अस्तित्व से जुड़े सवालों का समाधान... धम्म यानी, मानव मात्र के लिए शांति का मार्ग...धम्म यानी, बुद्ध की सर्वकालिक शिक्षाएँ.....और, धम्म यानी, समूची मानवता के कल्याण का अटल आश्वासन! पूरा विश्व भगवान बुद्ध के धम्म से प्रकाश लेता रहा है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से पाली जैसी प्राचीन भाषा, जिसमें भगवान बुद्ध की मूल वाणी है, आज सामान्य प्रयोग में नहीं है। भाषा केवल संवाद का माध्यम भर नहीं होती। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा होती है। हर भाषा से उसके मूल भाव जुड़े होते हैं। इसलिए, भगवान बुद्ध की वाणी को उसके मूल भाव के साथ जीवंत रखने के लिए पाली को जीवंत रखना, ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "मुझे खुशी है कि हमारी सरकार ने बड़ी नम्रता पूर्वक ये ज़िम्मेदारी निभाई है। भगवान बुद्ध के करोड़ों अनुयायियों को, उनकी लाखों भिक्षुकों की अपेक्षा को पूरा करने का हमारा नम्र प्रयास है।

बहराइच हिंसा में 5 आरोपी गिरफ्तार

- मुठभेड़ में सरफराज और तालीम गोली लगने से घायल
- नेपाल भागने की फिराक में थे

बहराइच, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बहराइच हिंसा से जुड़े मामले में एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक बहराइच हिंसा के दो आरोपियों का उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने एनकाउंटर कर दिया है। हालांकि, पूरे मामले में 6 लोगों को मुख्य आरोपी बनाया गया है। दावा किया जा रहा है कि जब रामगोपाल मिश्रा की हत्या की गई थी, उस दौरान उस घर में छह लोग मौजूद थे। इनमें से दो आरोपियों का एनकाउंटर हुआ है। उनका नाम फहीम और तालिब है फिलहाल वह घायल है। ये दोनों आरोपी नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के महाराजगंज इलाके में एक युवक की हत्या के बाद फैले तनाव के मामले में बुधवार तक कुल 11 मुकदमे पंजीकृत हुए हैं और 55 लोग गिरफ्तार किये जा चुके हैं। पिछली 13 अक्टूबर को महाराजगंज इलाके में हुई घटना में जान गंवाने वाले राम गोपाल मिश्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, उसके शरीर में 25 से 30 छर्रे लगे थे और करंट के झटके तथा अत्यधिक रक्त स्राव होने के कारण उसकी मौत हुई है। घटना में लापरवाही बरतने के आरोप में महसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपेन्द्र गौड़ को हटा दिया गया है। महसी इलाके में तनावपूर्ण शांति व्याप्त है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामगोपाल मिश्र की हत्या को लेकर दर्ज मुकदमे में नामजद छह में से एक अभियुक्त दानिश उर्फ शहीर खान को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि वह नेपाल भागने की फिराक में था तथा उसे हरदी थाना क्षेत्र के राजी चौराहे के पास से पकड़ा गया है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए 14 दिन की रिमांड पर ले लिया है। उन्होंने बताया कि दानिश की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अब तक कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारी के अनुसार, रविवार की रात पहला मुकदमा हरदी थाने में छह नामजद व चार अज्ञात लोगों पर मृतक के परिवार की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके अलावा एक मुकदमा कोतवाली नगर में अस्पताल चौराहे पर तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ, छह मुकदमे हिन्दू पक्ष द्वारा दूसरे समुदाय के अज्ञात लोगों के खिलाफ, तीन मुकदमे मुस्लिम समुदाय द्वारा उनके घरों में तोड़फोड़ व आगजनी के आरोप में दर्ज कराए गये हैं। उन्होंने बताया किदो मुकदमे 13 अक्टूबर, दो 14 अक्टूबर व सात मुकदमे 15 अक्टूबर को दर्ज हुए हैं।

मुर्मु ने मॉरिटिना के राष्ट्रपति के साथ शिष्टमंडल वार्ता की

नयी दिल्ली, एजेंसी। तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उत्तर अफ्रीकी देश मॉरिटानिया पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद ग़ज़ौनी के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता में दोनों देशों के संबंधों के बारे में व्यापक बातचीत की है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को यहां बताया कि अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को राष्ट्रपति मॉरिटानिया में थीं। श्रीमती मुर्मु का एक सामुदायिक कार्यक्रम में स्वागत किया गया जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति के महल का दौरा किया जहां उन्होंने मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद ग़ज़ौनी के साथ व्यापक बातचीत की। दोनों नेताओं ने परस्पर संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इसके बाद उनकी मौजूदगी में राजनयिकों के प्रशिक्षण, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, वीजा छूट और विदेश कार्यालय परामर्श के क्षेत्रों में चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया गया।मॉरिटानिया के विदेश मंत्री मोहम्मद सलेम औल्द मेरज़ोग ने एक अलग कार्यक्रम में राष्ट्रपति से मुलाकात की।

अवैध शराब रोकने में विफल रही नीतीश सरकार : खरगे-राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाज़ुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सीवान में जहरीली शराब से कई लोगों के मारे जाने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए गुरुवार को कहा कि बिहार सरकार अवैध शराब का कारोबार रोकने में विफल साबित हुई है इसलिए राज्य में जहरीली शराब की घटनाएं हो रही हैं। श्री खरगे ने कहा, "बिहार के सीवान और सारण के 16 गांवों में जहरीली शराब से अब तक 36 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जो बेहद पीड़ादायक और दुःखद है। पीड़ितों के शोकाकुल परिवारजनों को हमारी गहरी संवेदनाएं। सरकार से अनुरोध कि दोषियों को न्यायसंगत कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाई जाए।" उन्होंने बिहार सरकार पर अवैध शराब पर रोक लगाने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा, "इससे पहले और भी ज़िलों में लगातार अवैध शराब से कई लोगों ने जान गंवाई है, जो बताता है कि बिहार सरकार अवैध शराब के क़ारोबार को रोकने में कितनी विफ़ल है।" बिहार में अवैध शराब के कारण लोगों के मारे जाने की घटनाओं का विवरण देते हुए उन्होंने कहा "इससे पहले अप्रैल 2023 में मोतिहारी में ज़हरीली शराब के सेवन से 26 लोगों की मृत्यु हुई थी। दिसंबर 2022 में छपरा में 71 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोगों की आंख की रोशनी चली गई थी जबकि मार्च 2022 बांका में 12 लोगों की मृत्यु हुई। नवम्बर 2021 में गोपालगंज, बेतिया और मुजफ्फरपुर में ज़हरीली शराब पीने से 43 लोगों की मृत्यु हो गई थी।" श्री खरगे ने कहा कि ये घटनाएं तब हो रही हैं जब "साल 2017 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने कहा था कि 'मेरे ज़िंदा रहते बिहार में नहीं बिकेगी शराब', शराबबंदी तो लागू हो गई, पर अवैध शराब का ग़ैरकानूनी क़ारोबार क्यों चालू है। बिहार में मौकापरस्त डबल इंजन सरकार सैकड़ों लोगों की जान लेने के लिए ज़िम्मेदार है।" श्री गांधी ने कहा,"बिहार में ज़हरीली शराब पीने की वजह से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

सभी शोकाकुल परिजनों को मेरी गहरी संवेदनाएं। जो भी इन हादसों में बीमार हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। शराबबंदी होने के बावजूद बिहार निरंतर ऐसी घटनाओं से ग्रस्त है क्योंकि आपराधिक तत्व निर्भीक हो कर अवैध शराब का कारोबार चला रहे हैं।

बिहार में धड़ल्ले से जारी है जहरीली शराब का अवैध कारोबार, सरकार को लगाम लगानी चाहिए : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार के सीवान एवं सारण जिलों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत पर बृहस्पतिवार को दुख जताया और आरोप लगाया कि प्रदेश में शराबबंदी के बावजूद जहरीली शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार को इस पर लगाम लगानी चाहिए। बिहार के सीवान और सारण जिलों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से बुधवार को छह लोगों की मौत हो गई थी और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया,

2 महीने में जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट पहुंची याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को कहा कि वह जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा ष्समयबद्धष् बहाल करने की मांग वाली याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा। आवेदकों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और

जस्टिस मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ से आग्रह किया कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि राज्य का दर्जा प्रदान करने के लिए एक एमए (विविध आवेदन) है। यह नोट किया गया था (पिछले साल के फैसले में) कि इसे समयबद्ध किया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि मैं इससे निपटूंगा। ताजा आवेदन जम्मू–कश्मीर में एक शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और एक सामाजिक–राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक द्वारा दायर किया गया था। 11 दिसंबर, 2023 को, एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने को बरकरार रखा था। 2019 में तत्कालीन राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देता था और आदेश दिया था कि वहां विधानसभा चुनाव कराए जाएं।

अपनी विनाशलीला के बादशाह थे कथाकार दूधनाथ सिंह

प्रयागराज। दूधनाथ सिंह 1956 में इलाहाबाद आए और यहीं के होकर रह गए। 1958 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एमए करके नौकरी के लिए भटके। 1960–62 में कलकत्ता में अध्यापन किया, किंतु इलाहाबाद का चस्का लगने के कारण उसे छोड़ आए। तब तक लिखने–पढ़ने का नशा लग चुका था। गोष्ठियां, साहित्यिक उठापटक, गप्पबाजी, काफी हाउसिंग, यह सब आजीविका के रास्ते के रोड़े थे। अपनी इस बर्बादी में वह खुशी–खुशी शरीक थे। कहते थे, मैं अपनी विनाशलीला का बादशाह हूं। सभी छोटे भाई खेतीबाड़ी करते थे या फिर पुलिस की नौकरी। घरवालों को उनसे बहुत आशा थी। वह उनकी निगाह में आवारा थे। लेखक बनने की झक जो सवार थी। किराया न दे पाने के कारण कई बार उन्हें बाल्टी, लोटा, बिस्तर और किताबें छोड़कर भागना पड़ा। पुरुषोत्तम नगर, मुट्ठीगंज, चौथम लाइन, लीडर प्रेस कंपाउंड आदि कई ठिकाने बदलने पड़े। यह भुखमरी के दिन थे। उन्होंने लिखा भी है, श्श्मैं लगभग बेपर्द और निहंग हो गया था। एक ऐसे भिखारी की तरह जिसके पास अपने लुगड़े (धोती) भी नहीं बचे थे। ...मेरा आत्मसम्मान भी नहीं बचा था।श्श वह कई दिन रेलवे स्टेशन के हाल के एक कोने में सोते थे। दया करके भारती भंडार के मालिक वाचस्पति पाठक ने अपने घर का एक कमरा उन्हें दिया। इस बीच पत्नी और दो बच्चे हो गए किंतु उनके पास कोई काम नहीं था। जिस दिन दूधनाथ सिंह की पहली किताब श्श्अपनी शताब्दी के नामश्श की लेखकीय प्रतियां पहुंचीं, उनके घर में खाने को कुछ नहीं था। वे बेटे को चीनी–पानी पिला रहे थे। किताबें देखकर वह आनंद से भर उठे थे। बाद में सुमित्रानंदन पंत की अनुकंपा से विश्वविद्यालय में अध्यापक हो गए। रसूलाबाद के सेनेटोरियम में टीबी से जूझते वक्त भी अकेले पंतजी ही उन्हें देखने आए थे। दूधनाथजी ने एकेडेमी में एक बैठकी के दौरान मुझे बताया था कि उनकी पहली कहानी की चर्चा के लिए मंच पर भैरवप्रसाद गुप्त, मार्कंडेय, नरेश मेहता, रघुवंश, अमृतराय जैसे दिग्गज विराजमान थे। उस दिन सरेआम उनकी धज्जियां उड़ाई गईं। सलाह मिली, कहानी लिखना छोड़ें, कविताएं ही लिखें। उस दिन कहानीकार बनने का नशा चूर हो चुका था। कई दिनों तक बेचौन रहे। फिर चुनौती स्वीकार कर ली। जिद ओढ़ ली और साठोत्तरी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कथाकारों में शामिल हुए। कहते थे, आजकल लोग आलोचनाओं का बुरा मान जाते हैं, जबकि यह लेखक की मंजाई का काम करती है। अपने गुरु डॉ धीरेंद्र वर्मा की ग्रंथावली पर काम करते वक्त दूधनाथजी हिंदुस्तानी एकेडेमी अक्सर आते थे। यहीं एक रोज किसी का फोन आया तो दूधनाथजी डांटने के अंदाज में बोले, श्श्श्मैं किसी पुरस्कार के लिए अपनी संस्तुति नहीं कराऊंगा, क्यों कराऊं, मुझे नहीं चाहिए पुरस्कार।श्श्श फिर पूछने पर बोले, कह रहा था कि हिंदी संस्थान के महात्मा गांधी सम्मान के लिए किसी से संस्तुति करा दीजिए। उसी साल उन्हें संस्थान का भारत भारती सम्मान मिला। संस्तुति करा देते तो यह सम्मान उन्हें नहीं मिलता। वह फोन इसी साजिश का हिस्सा था।

नेवले से छूटकर भागे सर्प ने महिला को डसा, महिला और सांप दोनों की मौत

प्रयागराज। फुरसत राम का पूरा तलिया पर बुधवार दिन में मुर्गियों को चरा रही एक महिला को सर्प ने डस लिया। जिससे महिला की मौत हो गई। मौके पर सांप भी मरा पड़ा था। रामनगर (तलिया) के लालचंद्र मुर्गी पालक हैं। उनकी पत्नी फूला देवी (55) मुर्गियों को लेकर चराने गई थीं। बुधवार को महिला जहां मुर्गियों को चरा रही थी वहीं पर सांप और नेवला आपस में लड़ रहे थे। इस बीच नेवला से छूटकर भागा तो बीच में महिला आ गई। महिला के अंगूठे में सर्प ने डस लिया। इस बीच महिला की हालत खराब बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उधर, महिला को डसने के बाद सर्प भी मर गया। महिला की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। रामनगर के प्रधान नीरज सिंह यादव परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

टिकट बुकिंग को लेकर रेलवे ने बदली व्यवस्था, अब 120 नहीं 60 दिन पहले होगा रिजर्वेशन

प्रयागराज। ट्रेनों में टिकट की बुकिंग कराने के लिए 120 दिन पहले टिकट बुक कराने का नियम है, लेकिन भारतीय रेलवे ने यह व्यवस्था अब बदल दी है। नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को अब 120 दिन नहीं बल्कि 60 दिन पहले ही टिकट को बुक कराना पड़ेगा। रेलवे ने टिकट बुकिंग की मियात 120 से से घटाकर सीधे आधा यानी 60 दिन कर दिया है। यह नई व्यवस्था एक नवंबर से प्रभावी हो जाएगी। ट्रेनों में चार महीने पहले टिकट बुक करने की व्यवस्था में बदलाव हो गया है। अब यात्री 60 दिन पहले ही ट्रेनों में रिजर्वेशन करा सकते हैं। रेलवे मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को इस संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया। अब एडवांस रिजर्वेशन की समय सीमा घटा दी गई है। पहले यह समय सीमा 120 दिन थी, लेकिन अब 60 हो गई है। रेलवे के नए नियम के मुताबिक अब 120 नहीं, बल्कि केवल 60 दिन पहले ट्रेनों में रिजर्वेशन करा सकेंगे। भारतीय रेलवे ने एडवांस रिजर्वेशन (एआरपी) पीरियड को घटा दिया है। भारतीय रेलवे के ये नए नियम 1 नवंबर से लागू होंगे।

आरक्षण तय नहीं और कर ली 1894 पदों पर शिक्षकों की भर्ती, अब नियुक्ति फंसी

प्रयागराज। शिक्षा विभाग के अफसरों की लापरवाही से शिक्षकों की एक और भर्ती फंस गई है। जूनियर एडेड विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के 1894 पदों पर भर्ती की परीक्षा प्रक्रिया विधानसभा चुनाव 2022 से पहले आनन–फानन में पूरी करवा ली गई। उसके बाद नियुक्ति देने में आरक्षण का पेंच फंस गया। अब इसके अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए शिक्षा निदेशालय के चक्कर काट कर रहे हैं। जूनियर एडेड विद्यालयों में करीब डेढ़ दशक से भर्ती नहीं हुई थी। उससे पहले इन विद्यालयों के प्रबंधक भर्ती करते थे। प्रबंधकों के जरिये भर्ती प्रक्रिया विवादित होने के कारण उस पर रोक लगी थी। वर्षों तक भर्ती न होने से तमाम विद्यालय शिक्षक विहीन हो गए। विधानसभा चुनाव 2022 से पहले प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के 1894 पदों पर भर्ती करने के लिए 25 फरवरी 2021 को विज्ञापन जारी हुआ। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के वेबसाइट पर तीन से 17 मार्च 2021 तक ऑनलाइन आवेदन लिया गया। आवेदन के लिए सिर्फ 15 दिन का समय दिया गया। अमूमन किसी भी भर्ती में आवेदन के लिए कम से कम एक महीने का समय दिया जाता है, लेकिन इसमें जल्दबाजी की गई। महीनेभर बाद ही 18 अप्रैल 2021 को परीक्षा कराई गई। सात महीने बाद विधानसभा चुनाव से पहले 15 नवंबर 2021 को परिणाम घोषित कर दिया गया। शिक्षक के लिए 150 में से 97 अंक और प्रधानाध्यापक के लिए 200 में से 130 अंक पाने वालों को सफल घोषित कर दिया। इस मानक अनुसार रिक्त 1894 पदों के 23 गुना 43,610 अभ्यर्थी सफल हो गए। परिणाम जारी होते ही गड़बड़ियों के आरोप लगे और मामला हाईकोर्ट गया। हाईकोर्ट ने परिणाम संशोधित करने का आदेश दिया। पीएनपी ने संशोधित परिणाम छह सितंबर 2022 को जारी कर दिया था। उसके खिलाफ भी कुछ अभ्यर्थी हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट ने 15 फरवरी 2024 को सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और संशोधित परिणाम के आधार पर चयन करने को कहा। उसके बाद से मामला शासन में लंबित है। नियुक्ति देने के लिए मेरिट के अनुसार काउंसलिंग होनी है। इस भर्ती का विज्ञापन जारी करने से पहले आरक्षण निर्धारित नहीं किया गया था। अब तक तय नहीं है कि आरक्षण स्कूल स्तर, जिला स्तर या राज्य स्तर पर लागू किया जाए।

सीएमओ अगली तारीख पर नहीं आए तो जारी करेंगे वारंट, पेश न होने पर कोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्ति के बकाये को लेकर आदेशों के बावजूद कोर्ट में पेश नहीं होने पर सहारनपुर के सीएमओ को कड़ी फटकार लगाई है। कहा है कि उनका आचरण अदालत की अवमानना के समान है। अगली तारीख 18 अक्तूबर को जवाबी हलफनामे संग अदालत में पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ वारंट जारी किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की अदालत ने चार साल से सेवानिवृत्ति बकाये के भुगतान को लेकर सीएमओ कार्यालय का चक्कर काट रहीं सहारनपुर में तैनात रहीं डॉ.निर्मला माहेश्वरी की याचिका पर दिया है। याची सहारनपुर में चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात थीं। 30 अप्रैल 2020 को सेवानिवृत्त हो गईं। इसके बाद उन्होंने सीएमओ सहारनपुर से बकाये वेतन, पेंशन, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य भत्ते के भुगतान करने की गुहार लगाई थी। लेकिन, भुगतान नहीं किया गया। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने सीएमओ को 28 अगस्त तक व्यक्तिगत हलफनामे पर बकाये भुगतान न होने का कारण बताने का आदेश दिया था। लेकिन, हलफनामा दाखिल नहीं किया गया। इससे खफा कोर्ट ने आदेश का अनुपालन के लिए उन्हें 27 सितंबर की सशर्त मोहलत दी थी। कोर्ट ने आदेश की प्रति मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सहारनपुर के जरिये सीएमओ सहारनपुर को 48 घंटे में तामील कराने का आदेश भी दिया था। इसके बाद 15 अक्तूबर को मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि सीएमओ की ओर न तो कोई हलफनामा दाखिल किया गया है और न ही सीएमओ अदालत पेश हुए है। खुद हाजिर होने के बजाय उन्होंने चिकित्सा अधिकारी डॉ.रोहित वालिया को भेज दिया। यह देख कोर्ट ने हैरानी जताई। कहा कि जब अदालत ने सीएमओ को व्यक्तिगत रूप से हाजिर रहने का निर्देश दिया था तो अपनी ओर से वह किसी अन्य अधिकारी को पेश होने के लिए कैसे अधिकृत कर सकते हैं। वास्तव में यह अदालत के आदेश के विपरीत है, जो आपराधिक अवमानना के समान है। कोर्ट ने सीएमओ को अंतिम अवसर देते हुए 18 अक्तूबर को दोपहर दो बजे अदालत में हलफनामे के साथ हाजिर होने को आदेश दिया है। कहा है कि पूर्व में पारित आदेशों के क्रम में अगर सीएमओ अदालत में पेश न हुए तो उनके खिलाफ वारंट जारी किया जाएगा।

हैट्रिक की तैयारी में है भाजपा, आज प्रत्याशी के नाम का एलान कर सकती है पार्टी

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा में लगातार तीसरी बार जीत की तैयारी में जुटी भाजपा की राह आसान नहीं दिख रही। विगत चुनावों के आंकड़ों को देखें तो इस बार भी सपा से कड़ी टक्कर मिलने जा रही है। बसपा ने भी शिवबरन पासी को प्रत्याशी बनाकर अनुसूचित जाति के मतदाताओं के धुवीकरण की कोशिश की है। बसपा की यह रणनीति सफल हुई तो चुनाव त्रिकोणी होने के साथ दिलचस्प भी होगा। भाजपा के प्रवीण पटेल 2017 और 2022 में लगातार दो बार विधायक चुने गए थे। 2017 के विधानसभा चुनाव में प्रवीण पटेल ने सपा के मंसूर आलम को 16613 मतों के अंतर से हराया था, लेकिन 2022 के चुनाव में जीत का अंतर मात्र 2732 वोट में सिमट गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रवीण पटेल को 103557 वोट मिले थे। वहीं सपा के मुज्तबा सिद्दीकी को 100825 वोट मिले थे। इसके बाद लोकसभा चुनाव–2024 से भी भाजपा को निराशा हाथ लगी थी। लोकसभा के लिए निर्वाचित प्रवीण पटेल को फूलपुर विधानसभा में 89650 वोट मिले थे, जबकि यहां से सपा के अमरनाथ मौर्य को 107510 वोट मिले थे। इस तरह से प्रवीण पटेल अपने ही विधानसभा में सपा उम्मीदवार से 27860 मतों से पीछे रह गए थे। अब सपा ने एकबार फिर मुज्तबा सिद्दीकी को मैदान में उतारा है। पार्टी ने चुनाव की घोषणा से काफी पहले उम्मीदवार के नाम की घोषणा करके अन्य दलों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बढ़ाया है, जबकि भाजपा ने अभी तक उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। बृहस्पतिवार को प्रत्याशी की घोषणा की जा सकती है। चार नेताओं के नाम पार्टी हाईकमान को भेजे गए हैं। सपा के साथ गठबंधन के तहत फूलपुर विधानसभा सीट पर दावा कर रहे कांग्रेस नेताओं के सुर भी बदल गए हैं। अब उन्हें पार्टी हाईकमान के आदेश का इंतजार है। सपा ने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। इसके बाद से कांग्रेस नेताओं की राजनीतिक गतिविधियों पर अंकुश लग गया था। पार्टी के गंगापार के अध्यक्ष एवं टिकट के लिए दावेदारी करने वाले सुरेश यादव का कहना है कि शीर्ष नेतृत्व का जो आदेश होगा वह किया जाएगा। महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने भी पार्टी हाईकमान के निर्देश का पालन करने की बात कही।

देवता के साथ नगर प्रवेश के लिए संगमनगरी पहुचे जूना अखाड़े के रमता पंच, दिव्य कुंभ का फूंका बिगुल

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 में संगम की रेती पर विराजमान होने के लिए 13 अखाड़ों में सबसे बड़े पंच दशनाम जूना अखाड़े के देवता बुधवार को रमता पंच संग पहुंच गए। इसी के साथ अफसरों की मौजूदगी में अखाड़े के रमता पंच, पंच परमेश्वर के महंत के अलावा चारों मढिघ्यों के प्रमुखों ने दिव्य, भव्य और नव्य महाकुंभ का बिगुल फूंक दिया। अंदावा के पास रामपुर में जूना अखाड़े के हनुमान मंदिर परिसर में मेला प्रशासन की ओर से साधु–संतों की भव्य अगवानी की गई। बृहस्पतिवार को शरद पूर्णिमा पर महाकुंभ में देवता के नगर प्रवेश के लिए मेला प्रशासन की मौजूदगी में सविधि पूजन होगा। तीन नवंबर के जूना अखाड़े का नगर प्रवेश होना है। महाकुंभ में नगर प्रवेश के लिए जूना अखाड़े के संन्यासियों के पहुंचने का क्रम सुबह से ही शुरू हो गया। देर शाम तक अखाड़े के संन्यासियों के डेरे अंदावा के पास रामपुर में लगते रहे। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत प्रेम गिरि के अलावा मोहन भारती, महंत कलंदर गिरि, महंत महेश पुरी संतों के जत्थे के साथ रामपुर में अखाड़े के प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर पहुंचे। वहां देवता के साथ अखाड़े के रमता पंच और पंच परमेश्वर के महंतों ने भी पड़ाव डाला। अखाड़े के प्रमुख संतों–महंतों की अगवानी एडीएम कुंभ मेला विवेक चतुर्वेदी और नायब तहसीलदार शिवशंकर पटेल के साथ कई अफसरों ने की। हनुमान मंदिर परिसर में मेला प्रशासन की ओर से लगाए गए भव्य शिविर में संतों ने पड़ाव डाला। पंच परमेश्वर और रमता पंच की मौजूदगी में संतों ने महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा भी की। इस दौरान अफसरों ने माल्यार्पण के बाद तैयारियों के बारे में संतों को अवगत कराया। बृहस्पतिवार को शुभ मुहूर्त में दिन के 11:40 बजे से मेला प्रशासन की मौजूदगी मे महाकुंभ के लिए जूना अखाड़े का भव्य पूजन होगा। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने बुधवार की देर शाम नगर प्रवेश की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अखाड़े के प्रमुख संत देवता के साथ महाकुंभ में प्रवेश के लिए पहुंच गए हैं। तीन नवंबर को सुसज्जित रथों, वाहनों के साथ भव्य शोभायात्रा के रूप में अखाड़े के संतों का नगर प्रवेश होगा। इसके लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नगर प्रवेश में देश भर से अखाड़े के संन्यासी हिस्सा लेंगे।

पारिवारिक पेंशन का विकल्प चुना है तो ग्रेच्युटी की मांग सही नहीं, कोर्ट ने रद्द किया भुगतान का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय या संबद्ध कॉलेज के अध्यापकों या स्टाफ ने यदि 60 साल में बिना ग्रेच्युटी के पारिवारिक पेंशन का विकल्प चुना है तो उसकी मांग करना सही नहीं है। कोर्ट ने नियंत्रक प्राधिकारी के सेवानिवृत्त अध्यापक के ग्रेच्युटी भुगतान के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सीके राय ने कुल भास्कर आश्रम पीजी कॉलेज प्रयागराज की प्रबंध समिति की याचिका पर यह आदेश दिया। कुल भाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज के प्रोफेसर डॉ.श्याम लाल गुप्ता 30 जून 2002 को सेवानिवृत्त हुए थे। वह इस समय नियमित पेंशन पा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने ग्रेच्युटी की मांग करते हुए नियंत्रक प्राधिकारी को अर्जी दी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। ग्रेच्युटी के 350,000 रुपये के भुगतान का आदेश दे दिया। इस आदेश को कॉलेज प्रबंध समिति ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा राज्य विश्वविद्यालय एक्ट के अनुसार याची ने सेवानिवृत्ति विकल्प भरते समय पेंशन व पारिवारिक पेंशन का विकल्प दिया था, ग्रेच्युटी छोड़ दी थी।

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी मामले की सुनवाई फिर टली, अब छह नवंबर को होगी बहस

कानपुर। कानपुर के सीसामऊ के पूर्व विधायक सोलंकी को एक महिला का घर जलाने के आरोप में ट्रायल कोर्ट से सात साल की सजा सुनाई गई है। इस सजा के खिलाफ इरफान ने

हाईकोर्ट का दरवाजा खटकटाया है। उन्होंने सजा को रद्द करने के लिए अपील दायर की है, जिस पर बहस होनी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के मामले की सुनवाई एक बार फिर टल गई है। यह सुनवाई बृहस्पतिवार को होनी थी, लेकिन अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव के इस्तीफे के चलते सुनवाई टल गई। मामले की अगली सुनवाई अब छह नवंबर को होगी। कानपुर के सीसामऊ के पूर्व विधायक सोलंकी को एक महिला का घर जलाने के आरोप में ट्रायल कोर्ट से सात साल की सजा सुनाई गई है। इस सजा के खिलाफ इरफान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटकटाया है। उन्होंने सजा को रद्द करने के लिए अपील दायर की है, जिस पर बहस होनी है। वहीं राज्य सरकार ने ट्रायल कोर्ट के द्वारा सुनाई गई सजा को नाकाफी बताते हुए सजा को और बढ़ाने और सख्त सजा देने की अपील हाईकोर्ट में दायर की है। इसके पहले तीन अक्तूबर को मामले की सुनवाई हुई थी और दोनों पक्षों ने अदालत के सामने अपनी दलीलें पेश की थीं। अगली तिथि 17 अक्तूबर को तय की गई थी। आज मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन टल गई।

एआई सीसीटीवी से अभेद्य होगी महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था, लगाए जाएंगे ढाई हजार से ज्यादा कैमरे

प्रयागराज। महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने के लिए योगी सरकार युद्धस्तर पर काम कर रही है। पूरे शहर को जहां भव्य रूप से सजाने का काम जोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी खास इंतजाम किए जा रहे हैं। पुलिस जहां एक तरफ चप्पे–चप्पे पर नजर रखेगी वहीं, दूसरी ओर टेक्नोलॉजी के जरिये सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता करने की तैयारी चल रही है। इसमें सबसे अहम रोल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सीसीटीवी कैमरे निभाएंगे। पूरे शहर में 2500 से ज्यादा सीसीटीवी लगाएगी। इनमें एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी शामिल हैं, जिन्हे सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रयागराज में महाकुंभ के कार्यों की समीक्षा की थी। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सारे काम पूरे करने के निर्देश दिये थे। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये थे, ताकि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसके बाद विकास कार्यों ने और तेज रफ्तार पकड़ ली है। वहीं सीएम योगी के निर्देश पर पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य करने के लिए हाईटेक 2,750 सीसीटीवी लगाने का काम चल रहा है। कई प्रमुख स्थानों और मेला क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। अब तक एक हजार सीसीटीवी को विभिन्न स्थानों पर इंस्टॉल भी किया जा चुका है। वहीं इन सभी कैमरों को कंट्रोल रूम से सीधा जोड़ा जाएगा। यहां से आने–जाने वाले श्रद्धालुओं पर सीधी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों पर 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन को लगाया जाएगा। इसके जरिये विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को डिस्पले किया जाएगा। महाकुंभ में करीब 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में मेला क्षेत्र, मेला को जाने वाले मार्ग और शहर के प्रमुख मार्गों पर क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम वाले एआई आधारित रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी भी लगाए जा रहे हैं। इसकी मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम में अलग से व्यवस्था की जा रही है। वहीं महाकुंभ मेला हेल्पलाइन 1920 के लिए डेडिकेटेड 50 सीटर कॉल सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जहां पर 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। यह सभी पल–पल की अपडेट अधिकारियों के साथ शेयर करेंगे। वहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या फिर अगर किसी स्थान पर ज्यादा भीड़ एकत्रित होने पर संबंधित चौकी और थाने को सूचना देंगे ताकि वहां से भीड़ को कम किया जा सके। साथ ही भीड़ को एक जगह एकत्रित होने से रोकने के लिए रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी अहम रोल निभाएगा। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पार्किंग पर खासा फोकस किया जा रहा है। यहां पर पांच लाख से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जा रहा है। इन स्थानों पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। यहां पर बेहतर पार्किंग प्रबंधन के लिए एआई आधारित पार्किंग प्रबंधन प्रणाली अपनाई जाएगी। इसके जरिये हर वाहन पर नजर रखी जाएगी। जैसे वाहन किस समय आया, कितनी देर पार्किंग में रहा।

मासूम की रेप और हत्या के बाद रोज दुर्गा पंडाल जाता था आरोपी, ताकि किसी को न हो उस पर शक

प्रयागराज। सोरांव में मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में पकड़े गए आरोपी से कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि घटना के बाद बाद वह रोज दुर्गा पूजा पंडाल जाने लगा था। पहले वह नहीं जाता था। पूछताछ में पता चला कि वारदात को अंजाम देने से पहले वह एक साथी से पैसे लेकर शराब पी थी। इसके बाद पीड़िता को साइकिल से ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। जांच में पता चला कि आरोपी मुकेश दो भाइयों में सबसे छोटा है। गांव स्थित एक टेंट हाउस में मजदूरी का काम करता है। जबकि पिता किसान हैं। वह मासूम को दुर्गा पूजा पंडाल ले जाने के बहाने साइकिल पर बिठाया था। फिर बहला फुसलाकर वारदात को अंजाम दिया। इतना ही नहीं, पकड़े जाने के डर से आरोपी मासूम के चेहरे पर डंडे से वार कर हत्या कर दी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना के बाद वह देहाड़ी मजदूरी करता रहा। ताकि किसी को शक न हो। बताया कि परिजन शराब पीने से मना करते थे, कहते थे कि एक बच्ची की हत्या हुई है। पुलिस शराब पीने वालों को गिरफ्तार कर रही है। ऐसे में किसी को शक न हो, इसके लिए वह लगातार काम करता रहा। वहीं, दूसरी तरफ मुकेश के पिता ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने बेटे को 13 अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि बीती रात सूचना मिली कि पुलिस की मुठभेड़ में बेटा घायल हो गया है। वहीं, मामले में डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि यह आरोप बेबुनियाद है।

'आर एस एस द्वारा शरद पूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया'

'शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा पृथ्वी के सीध मे और निकट होने के कारण अनेक औषधि रसायन पृथ्वी के जीव जन्तु वृक्षों वनस्पतियां पर पडती है जो अमृत समान तथा भगवान ष्ण से महाराज वाल्मीकि जयन्ती के साथ सनातन संस्ति, समरसता हेतु अनेक गौरवपूर्ण समृद्व इतिहास अपने मे संजोए हुए है - राजेश प्रताप'

प्रयागराज। अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को भारत मे शरद पूर्णिमा का महात्म्य विशेष है पौराणिक मान्यता के अनुसार देवासुर द्वारा समुद मंथन मे आज ही के दिन मॉ लक्ष्मी का पृथ्वी पर प्राकट्य हुआ और आज के दिन मा लक्ष्मी का विचरण पृथ्वी पर होता है साथ आज के दिन ही सोलह कलाओं से युक्त भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण महारास रचाया तथा सोलह हजार गोपिकाओं को सबमें अपने साथ होने का एहसास कराया था और पृथ्वी पर अमृत वर्षा किया था जिस पर भगवान ब्रह्मा ने अपने एक दिन को बढा दिया जो धरती के हजारों लाखों वर्षों के बराबर होता है ताड़कासुर जैसे महाबली राक्षश के आन्तक से तड़प रही मानवता की स्थापना के लिये शंकर पार्वती के पुत्र भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ और महर्षि बाल्मीकि का भी जन्म आज ही के दिन हुआ था साथ ही यदि भौगोलिक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार देखते है तो पाते है कि चन्द्रमा पृथ्वी के अत्यंत नजदीक और सीधी रेखा मे पूर्ण विकसित रूप मे होता है जिससे चन्द्रमा से अनेक औषधियों रसायन सीध ो पृथ्वी के मनुष्य पौधों बनस्पतियो पर पड़ता है जीससे औषधीय गुणों से परिपूर्ण हो जाते जिनके सेवन से मनुष्य के अनेक रोगों से छुटकारा और लडने की शक्ति सीधे प्राकृतिक रुप से प्राप्त होता है यही सब प्राकृतिक घटनाओं के कारण कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा द्वारा धरती पर अमृतवर्षा होती है साथ ही वर्षाऋतु का समापन और शरद ऋतु का प्रारम्भ का संकेत भी

है भारत के अनेक भागों मे कही शरद पूर्णिमा तो दक्षिण मे कोजमरी ब्रत ब्रज मे महारास गुजरात मे डांडिया उत्सव और कौमुदी ब्रत उत्सव के नाम से मनाया जाता है राष्टीय स्वयंसेवक संघ भारत की सनातनी संस्कृति तथा प्राकृतिक धरहरो परम्पराओं को सदैव सशक्त करने के लिए जन मानस तक उत्सव के रुप मे पूरे भारत मे समाज और स्वयं सेवक खुले मैदान एकत्र होकर खीर बनाते है तथा चन्द्रमा के संसर्ग हेतु मैदान पर अमृत की प्रतीक्षा मे खुला रख कर संघ का भगवा ध्वज स्थापित कर मैदान मे अनेक प्रकार के खेल योग संवाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के पश्चात संघ के नामित अधिकारी द्वारा शरद पूर्णिमा का महात्म्य तथा देश राष्ट्र और सनातन संस्कृति के गौरव मयी इतिहास की चर्चा करते हुए भारतीय समाज मे समरसता के भाव के साथ रहते हुए मॉ भारती के परम वैभव की प्राप्ति हेतु समाज जागरण करने के लिए अलग अलग स्थानों पर संघ के अधिकारीयों उद्बोधनक रास विहारी सह प्रान्त कार्यवाह आलोक मालवीय विभाग संघचालक प्रोफेसर के पी सिंह राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख प्रयाग उत्तर मुकेश सह विभाग प्रचारक सुभेन्दु भाग प्रचारक शिव प्रताप रीतेश वरुण प्रताप प्रो एस पी सिंह प्रभाकर अजय सिंह नगर कार्यवाह विभूति जी आदि अधिकारीयों के उद्बोधन आह्वान कर प्रार्थना के पश्चात 'मध्य रात्रि' 'बारह''बजे'अमृत रुपी खीर प्रसाद के रूप वितरण कर कार्यक्रम का समापन हो गया शरद पूर्णिमा का कार्यक्रम प्रयाग उत्तर भाग के पन्द्रह नगरों झूसी के तीन नगर फाफामऊ के दो नगर सहित शहर के दारागंज भरद्वाज नगर छोटा बघाडा भरद्वाज नगर कीडगंज अलोपीबाग कटरा ममफोर्डगंज तेलियरगंज गोविन्दपुर शलोरी नया पुरवा आदि स्थानों पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

किसान भाई रबी की बुआई से पहले बीज/भूमि शोधन अवश्य करायें

प्रतापगढ़। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने कृषक भाईयां को सूचित किया है कि वर्तमान में रबी की बुआई का समय आ गया है, बुआई से पहले बीज शोधनध्भूमि शोधन अवश्य किया जाये। फसलों में रोग, बीज, मृदा, वायु एवं कीटों द्वारा फैलते है। बीज जनितध्भूमि जनित रोगों से आगामी बोई जाने वाली फसल के बचाव हेतु बीज शोधन अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बीज शोधन कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत अथवा थीरम 75 प्रतिशत 2.5 ग्राम से 3 ग्राम प्रति क्रिगा बीज की दर से तथा ट्राइकोडर्मा वायो रसायन 4 से 5 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से किया जाता है। भूमि शोध ान ट्राइकोडर्मा 2.500 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी गोबर की खाद में मिलाकर किया जाये। बीज शोधनध्भूमि शोधन द्वारा फसल का रोगों से सुरक्षा कर अधिक पैदावार ली जा सकती है जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। उन्होने किसान भाईयों से कहा है कि बीज शोधनध्भूमि शोधन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति ध्यान देना होगा। बीज शोधनध्भूमि शोधन रसायन कृषि रक्षा इकाईयों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध है। अनुदान की धनराशि डीबीटी के माध्यम से देय है।

विधवा पेंशन के लाभार्थी जिनके राशन कार्ड नही बने अथवा राशन कार्ड में नाम नही है वह फैमिली आईडी पंजी त करायें

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी राम बाबू विश्वकर्मा ने बताया है कि जनपद में पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही लाभार्थियों का शासन द्वारा फैमिली आईडी अनिवार्य कर दिया गया है। योजना का लाभ प्राप्त कर रही जिन महिलाओं का राशन कार्ड नही बना है अथवा राशन कार्ड में नाम नहीं है, वे अपने नजदीकी सहज जन सेवा केन्द्र जाकर अपना फैमिली आईडी पंजीकृत करा लें अन्यथा की स्थिति में शासन द्वारा पेंशन बाधित कर दिया जायेगा जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी लाभार्थी की होगी।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'विदेश मंत्री बताए वह क्या करके आए हैं'

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने गुरुवार को उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर की स्पीच, हरियाणा में दूसरी बार नायब सैनी के मुख्यमंत्री पद की शपथ सहित भारत और कनाडा के रिश्तों पर प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के भाषण पर प्रमोद तिवारी ने कहा, हमें चाहिए कि जब विदेश मंत्री बाहर गए हैं तो वो विरोधी दल के जो नेता हैं उन्हें बताएं। हम मीडिया की खबरों पर क्या प्रतिक्रिया दें। हमारे देश पर पाकिस्तान हमेशा से आतंकवादी गतिविधियां बढ़ाता रहा है। इससे पहले पूर्व में स्वर्गीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज पाकिस्तान गई थीं। उन्होंने पाकिस्तान से लौटने के बाद नहीं बताया था वहां क्या किया। वर्षों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिन बुलाए पाकिस्तान पहुंच गए। वहां उन्होंने क्या किया। यह नहीं बताया गया। हमें मीडिया से मिलने वाली खबरों को नहीं मान सकते हैं कि वह सही है या गलत है। हरियाणा में नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, एक विवादास्पद चुनाव में एक विवादास्पद परिणाम के साथ वह जीते हैं। उन्हें किसानों की समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है। महंगाई, बेरोजगारी पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन, भाजपा को सिर्फ एक मेगा इवेंट बनाना है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदत है। भारत और कनाडा के रिश्ते एक बार फिर तल्ख हो गए हैं। इस पर प्रमोद तिवारी ने कहा, राष्ट्रहित में हम देश के साथ हैं। मैं समझता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी विपक्षी दलों को बुलाएं बातचीत करें। क्योंकि, हमारे पास जो जानकारी है वह मीडिया पर आधारित है। मीडिया से आधारित जानकारी पर हम क्या प्रतिक्रिया दें। देश के प्रधानमंत्री को हम भरोसा दिलाते हैं कि राष्ट्रहित के लिए पूरा देश एक साथ खड़ा रहेगा। कनाडा को कोई अधिकार नहीं है कि वह हम पर झूठे आरोप लगाए।

हरियाणा में फिर नायब सिंह सैनी की सरकार, सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा में नायब सिंह सैनी के सीएम पद की शपथ लिये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नायब सिंह सैनी जी को हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन तथा आपके यशस्वी नेतृत्व में शविकसित हरियाणा–विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। आप को बता दें कि हरियाणा में भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी गुरुवार को चंडीगढ़ में हरियाणा के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिया। भाजपा विधायक कृष्ण कुमार बेदी ने सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा और पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने इसका समर्थन किया।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्व तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करायें-जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता राजबली गौड़ निवासी नेवादाकला थाना अन्तू ने शिकायत किया कि प्रार्थी को रहने के लिये घर नहीं है, प्रार्थी किसी तरह से पैसे की व्यवस्था करके रहने के लिये घर बना रहा था, प्रार्थी ने जितने हिस्से का बैनामा लिया था उसी हिस्से पर घर बना रहा था कि पड़ोस के रहने वाले रामसुख, पुष्पा, राम लाल व सचिन जबरन प्रार्थी के निर्माण कार्य को रोक रहे है जबकि प्रार्थी का सम्पूर्ण घर बन चुका है केवल लिन्टर लगना बाकी है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ अन्तू को निर्देशित किया है जब लिंटर तैयार है तो सटरिंग में व्यवधान न हो, शांति व्यवस्था सुनिश्चित करायें। शिकायतकर्ता नीरज कुमार मिश्रा निवासी धनऊपुर थाना फतनपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी जब अपने खेत की जुताई करवाने जाता है तो प्रार्थी के ग्रामसभा के रमेश तिवारी व श्रीराम पाण्डेय व इनके अन्य सहयोग विवाद करने के लिये आ जाते है और ट्रैक्टर वाले को भी धमकी देते है। प्रार्थी के गाटा संख्या के बगल में ही प्रार्थी की बाग है ।

जिसको कब्जा करते हुये रमेश चन्द्र तिवारी काफी अन्दर तक घुस गये है, प्रार्थी ने कई बार मना किया लेकिन मानते नही है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसओ फतनपुर को निर्देशित किया कि मौके पर जाकर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध यान दें।

ईट भट्ठा स्वामी देय राजस्व/विनियमन शुल्क जमा करें अन्यथा होगी कार्यवाही-डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने जनपद के समस्त ईट भट्ठा स्वामियों को सूचित किया है कि वे ईट भट्ठा सत्र 2024–25 एवं पूर्व वर्षो का बकाया जमा करने के पश्चात् ही नियमानुसार ईंट मिट्टी का खनन करते हुये कच्ची ईंटों का निर्माण करना सुनिश्चित करें। यदि कोई ईट भट्ठा स्वामी देय राजस्वधविनियमन शुल्क जमा किये बिना अवैध ईट का खनन संक्रिया में लिप्त पाया जायेगा तो दोषी ईंट भट्ठा स्वामी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित ईट भट्ठा स्वामी का होगा। उन्होने ईट भट्ठा स्वामियों को सूचित किया है कि ईट भट्ठा सत्र 2024–25 में ईट भट्ठों के संचालन पर विनियमन शुल्क लिये जाने के सम्बन्ध में ईट भट्ठा स्वामी को पोर्टल ीजजचरूध्नचउपदमे.नचेकब.हवअ.पद पर आनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ 2 हजार का आवेदन शुल्क, ईंट भट्ठा स्वामी का विवरण, भट्ठा स्थल का जीओ–कोआर्डिनेट सहित विवरण, भट्ठा का प्रकार (सामान्यध जिग–जैग), पायों की संख्या, ईट–मिट्टी के खनन क्षेत्र का विवरण, भट्ठा सत्र सहित वांछित विवरण फीड करना होगा, ईट भट्ठा स्वामी को आवेदन पत्र के साथ ईट भट्ठे के सम्बन्ध में रायल्टीधविनियमन शुल्क बकाया न होने का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। फीड की गयी सूचना के अनुसार ईंट भट्ठों के पायों की संख्या के आधार पर तथा विभिन्न जनपदों की श्रेणी के अनुसार विनियमन शुल्क एवं पलोथन की धनराशि अग्रिम रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित लिंक के माध्यम से आनलाइन भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के लेखा शीर्षक ''0853–अलौह खनन तथा ध ातुकर्म उद्योग, 102–खनिज रियायत शुल्क किराया और स्वत्व शुल्क'' में जमा की जायेगी। विनियमन शुल्क एवं पलोथन की धनराशि आनलाइन जमा करने पर ईट भट्ठा स्वामी पोर्टल से विनियमन शुल्क जमा का प्रमाण पत्र जनित कर सकेगें।

कृषि भवन परिसर में 22 एवं 23 अक्टूबर को दो दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव/मेला का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने जनपद के समस्त कृषक बन्धुओं को सूचित किया है कि मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से तथा उ0प्र0 शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में दिनांक 22 एवं 23 अक्टूबर 2024 को पूर्वान्ह 10 बजे से कृषि भवन प्रतापगढ़ (कटरा रोड शैल श्याम पैलेस के सामने) के परिसर में दो दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सवध्मेला एवं मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रदर्शनी स्टाल एवं विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जायेगी। दिनांक 23 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे से रोड शो का आयोजन भी किया जायेगा। सभी कृषक बन्धु समय से कार्यक्रम में प्रतिभाग करें।

रामायण में निहित जीवन मूल्य आज भी प्रासंगिक : प्रोफेसर उमाशंकर

लखनऊ, एजेंसी। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में कार्तिक शरद पूर्णिमा को महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता में वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में विशिष्ट विद्वत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रोफेसर उमाशंकर त्रिपाठी विभागाध यक्ष संस्कृत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संयोजन एवं मंगलाचरण महाविद्यालय की संस्कृत विभाग की सह आचार्या डॉक्टर वंदना द्विवेदी द्वारा किया गया। संस्कृत छात्रा प्रतिभा द्विवेदी के द्वारा मूल रामायण का सस्वर पाठ किया गया । महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र , पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर त्रिपाठी ने ष्वाल्मीकि रामायण में निहित जीवन मूल्य विषय ष्पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि रामायण लौकिक संस्कृ त साहित्य का आदि महाकाव्य है इसमें भातृ प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण वर्णित है रामायण में जीवन के विभिन्न परिस्थितियों का चित्रण किया गया है एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने मानव जीवन जीने की कला बताई है रामायण में माता–पिता की आज्ञा पालन करने की सीख दी गई है तथा साथ में रामायण यह भी शिक्षा देती है कि हमें हर परिस्थितियों में संयम रखना चाहिए रामायण में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है, और मर्यादा पुरुषोत्तम के बताए हुए हमें आदर्श चरित्र एवं शिक्षा को अपनाना चाहिए जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का चित्रण रामायण में पात्रों के द्वारा भिन्न भिन्न परिस्थितियों में प्रस्तुत किया गया है। जिससे आज भी भारतीय समाज प्रेरणा प्राप्त करता है। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय द्वारा किया गया और प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि विरचित रामायण हमें धर्म के मार्ग पर चलना सिखाता है। राम नाम जपने से भवसागर तर जाते है और परमधाम मुक्ति का यही एकमात्र उपाय है। कलयुग केवल नाम अधारा जपत निरंतर नर होई है पारा। राम साक्षात धर्म के विग्रह है, और रामकथा सभी मनोरथों को पूर्ण करने की संजीवनी बूटी है। इस अवसर पर जंतु विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर ऋचा शुक्ला, हिंदी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर मंजुला यादव, समाजशास्त्र की विभागाध्यक्षा डॉ विनीता सिंह ,प्रोफेसर संगीता शुक्ला, प्रोफेसर अंबिका बाजपेई, प्रोफेसर नीतू सिंह ,प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी, प्रोफेसर सीमा सरकार,डॉक्टर आभा पाल, डॉ श्वेता उपाध्याय, डॉ नेहा अग्रवाल आदि सम्मानित प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर वंदना द्विवेदी के द्वारा किया गया।

संक्षिप्त

अखिल भारतीय बैठक में कुलियों ने अपनी मांगों को लेकर भरी हुंकार

लखनऊ, एजेंसी। रेलवे के निजीकरण से कुलियों को परेशानी नहीं थी परन्तु जब निजीकरण की लात उनके ही पेट पर पड़ने लगी तो गरीब कुली भी सरकार के खिलाफ एकजुट हो गये। राजधानी के चारबाग रेलवे स्टेशन पर पूरे देश से आये हजारों की संख्या में कुलियों ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी। चारबाग स्थित कुली सेंटर में देश भर से आये कुलियों ने अखिल भारतीय बैठक की। उन्होनें निजीकरण के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुये अपनी एकजुटता दिखायी और जमकर नारेबाजी की। अखिल भारतीय कुलियों की बैठक में मुख्य मुद्दा निजीकरण की आड़ में कुलियों के पेट पर लात मारने का रहा। जिसमे आउट सोर्सिंग से स्टेशनों पर ट्राली प्रथा, बैटरी रिक्शा को केवल वृद्ध, विकलांगों को और बीमारों के लिये प्रयोग की जाय। साथ ही उन्होनें दुर्घटना बीमा, वृद्ध कुलियों के लिये पेंशन व्यवस्था की मांग रखी। रेलवे में कुलियों के समायोजन की मांग का मुद्दा फिर से गरमाया तो प्रयागराज में कुलियों पर लगाये गये मुकदमों को तत्काल वापस लिये जाने की मांग की। इस अवसर पर अखिल भारतीय बैठक के आयोजक व संयाजक राम सुरेश यादव ने बताया कि बैठक कई अन्य प्रस्तावों जिनमें संगठन के सदस्यों का चुनाव, कुली मोर्चा ,राष्ट्रीय कुली मोर्चा और कुली संघर्ष मोर्चा आदि बनाने पर चर्चा हुयी। पूर्व में राजधानी आये आप सांसद संजय सिह ने चारबाग स्टेशन पर कुलियों से मुलाकात की थी और कुलियों की रेलवे में समायोजित करने की मांग को केंद्र सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन भी दिया था। अखिल भारतीय बैठक में निर्णय लिया गया कि सत्याग्रह आन्दोलन की कड़ी में आगामी दस नवम्बर को दिल्ली में कुलियों का राष्ट्रीय सम्मेलन किया जायेगा ताकि उनकी आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचे। कुलियों के इस विरोध प्रदर्शन के चलते रेलवे के यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जुबिली कालेज में मेन्टल वेलनेस पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। खुशी संस्था नयी दिल्ली के सौजन्य से तथा समग्र शिक्षा माध्यमिक के सहयोंग से मानसिक स्वास्थ्य कल्याण विषय पर शिक्षकों के लिये पांच दिवसीय कार्यशाला मनोबल का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। दिनांक पन्द्रह अक्टूबर से आयोजित इस कार्यशाला के द्वितीय चरण का आयोजन राजकीय जुबिली कालेज में चल रहा है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर प्रशिक्षित कर विद्यालयों में एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाय, जिससे छात्रों के अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिले।समग्र शिक्षा माध्यमिक के जिला समन्वयक संतोष मिश्रा ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला मनोबल के उद्देश्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर खुशी टीम की राष्ट्रीय मनोबल मास्टर ट्रेनर श्रुति बाली, परियोजना निदेशक गीता भट्ट साथ मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षक निमिषा नवल, समन्वयक राघवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे। प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर भाग लेने वाले शिक्षकों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये।

न्याय या समाधान गोष्ठी, मध्यस्थता के माध्यम से न्यायलय में लम्बित मामलों का जल्द हो निपटारा

लखनऊ, एजेंसी। लॉ फर्म न्याय नेस्ट का प्रथम स्थापना दिवस गुरुवार को गोमतीनगर के विश्वासखंड कार्यालय में मनाया गया। इस दौरान फर्म ने "न्याय या समाधान" विषय पर गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में गम्भीरता व गहनता से विचार–विमर्श कर पक्षकरों के माध्यम से सौहार्द सम्बन्ध बनाने की भी चर्चा की। इसके साथ ही मीडिएशन एक्ट 2023 के प्राविधानों पर भी वार्ता की। गोष्ठी का मकसद न्यायालय में लम्बित वादों को शीघ्रता से निपटाने के लिए मध्यस्थता के माध यम से उसका समाधान कराया जाए, जिससे की दोनों पक्ष पूर्ण संतुष्टि के साथ न्यायालय से जा सकें। गोष्ठी में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, राजीव लोचन मेहरोत्रा, उप्र मानवाधिकार आयोग के सदस्य व सेवानिवृत्त जिला जज हरि मंगल सिंह, दीनानाथ श्रीवास्तव, विजय वर्मा, वीके. खत्री, दिलीप कुमार श्रीवास्तव के अलावा उच्च न्यायलय के अधि ावक्ताओं ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

यूपी के युवाओं को दंगों में फंसा रही भाजपा : संजय सिंह

लखनऊ, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। यहां वो प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा नेता बार–बार यह दावा करते हैं कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था अच्छी है, लेकिन बहराइच और देवरिया की घटना को देखकर यह दावा संदिग्ध लगता है। संजय सिंह ने कहा भाजपा जब चुनाव हारती है, तब झगड़ा कराती है। प्रदेश ही नहीं देश के भीतर जितने भी झगड़े हो रहे लोकसभा चुनाव में हार के बाद कराए जा रहे हैं। बहराइच, अलीगढ़ और देवरिया में नफरत फैलाने का काम किया जा रहा है। संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश के युवाओं की बेरोजगारी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा युवाओं को नौकरी नहीं दी जा रही। इस वजह से कई युवा आत्महत्या कर रहे हैं। अमित शाह के बेटे जय शाह को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया जाता है और यूपी के युवाओं को दंगों में फंसाया जाता है।

दोहे

हिय चंद्रमा से प्रीत तो, शरद चाँदनी रात।
आँखों में सपने बसे, है दिल में जज्वात।
शरद सुहानी शाम है, कालिंदी के तीर।
मोहन की वंशी बजे, छलक नदी से नीर।।

पूर्णिमा की रात को, दीप सजे सब हाथ।
प्रेम घनेरी छांव है, मातृ पिता घर साथ।।

चलो सुनाते गीत हैं, सुख की बहें समीर।
निर्मल मन से साधना, मिटे सभी है पीर।।
शरद रात में कृष्ण हैं, सभी गोपियों के संग।
अंतस बहें समीर है, रास करें है अंग।।

उमा मिश्रा... जबलपुर

सम्पादकीय.....

दुर्भाग्यपूर्ण विवाद

गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिये जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना– निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाये गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। जिसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाये रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है। हालांकि, भारत विगत में ओटावा से भारतीय मूल के गैंगस्टरों पर लगाम लगाने के लिये कहता रहा है। बहरहाल, आक्रामक राजनीति का यह रवैया भारत–कनाडा के संबंधों को लगातार खतरे में डाल रहा है। निर्विवाद रूप से यह चिंताजनक स्थिति किसी भी देश के हित में नहीं है। निश्चित रूप से बंद दरवाजों के पीछे कूटनीतिक संबंधों की गुंजाइश कायम रहनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि अंतर्राष्ट्रीय राजनय में बड़े राष्ट्रों से परिपक्व व संयम की उम्मीद की जाती है। कनाडा सरकार को ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी देश की संप्रभुता के लिये चुनौती पैदा करने वालों को अपनी राजनीति का मोहरा नहीं बनाया जाना चाहिए। ऐसे तत्वों को प्रश्रय देने से कालांतर उनके लिये भी ऐसी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। यदि ट्रूडो भविष्य में भी ऐसी ही नीतियों को जारी रखते हैं तो वैश्विक स्तर पर कनाडा की साख पर भी आंच आएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में दुराग्रह त्याग कर रिश्तों को पटरी पर लाने की गंभीर कोशिश होती नजर आएगी।

अमीर-गरीब देशों के फर्क का राज

डॉ. दीपक पाचपोर

5 क्षेत्रों में दिये जाने वाला नोबेल आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले को 'स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार' कहलाता है। समिति ने कहा कि पुरस्कार के लिये चयनित अर्थशास्त्रियों ने पहली बार सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए देशों की समृद्धि में उनके योगदान की वैज्ञानिक तरीके से मीमांसा की है।

विश्व का सबसे सम्मानित कहा जाने वाला नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्र के क्षेत्र में तीन शोधकर्ताओं डारोन एसिमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। उन्होंने इस बात का पता किया है कि आखिर वे कौन से तथ्य हैं जिनके चलते विभिन्न देशों के बीच अमीरी–गरीबी का फर्क पैदा होता है। उन्होंने इसे दूर करने के कुछ उपाय बताये हैं जिन पर अमल कर वैश्विक गैरबराबरी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। देखना यह होगा कि जिन देशों के पास दुनियावी बदलाव करने की ताकत है, वे इस पर कितना अमल करते हैं। जाहिर है कि ऐसा कर वे स्वयं अपने रुतबे तथा दबदबे को खत्म करेंगे। इस रिसर्च को तो उन राष्ट्राध्यक्षों को ध्यान से पढ़ने, समझने और उसे क्रियान्वित करने की जरूरत है जो अपने देश के नागरिकों को खुशहाल बनाना चाहते हैं। यहां सवाल विश्व के सम्पन्न देशों की सूची में आना मात्र नहीं है वरन अपने नागरिकों के रहन–सहन के स्तर को ऊंचा करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन प्रदान करना भी है। एसिमोग्लू, जॉनसन और रॉबिन्सन ने अपने सामूहिक अध्ययन एवं विशद विश्लेषण से स्पष्ट किया है कि कुछ देश क्यों अमीर हो गये और अनेक किसलिये गरीब हैं। इसके लिये उन्होंने कुछ इलाकों के उदाहरण भी प्रस्तुत किये हैं जिनके कुछ क्षेत्र एक देश में हैं तो कुछ दूसरे देश में। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस ने सोमवार को इन अर्थशास्त्रियों को संयुक्त रूप से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का ऐलान करते हुए उनके काम की महत्ता को रेखांकित किया। 5 क्षेत्रों में दिये जाने वाला नोबेल आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले को 'स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार' कहलाता है। समिति ने कहा कि पुरस्कार के लिये चयनित अर्थशास्त्रियों ने पहली बार सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए देशों की समृद्धि में उनके योगदान की वैज्ञानिक तरीके से मीमांसा की है। अपने शोध से उन्होंने यह भी बतलाया कि कैसे लोकतंत्र एवं समावेशी सामाजिक संस्थानों के जरिये राष्ट्र का विकास सम्भव है। एसिमोग्लू, जॉनसन तथा रॉबिन्सन के इस शोध ने बताया है कि खराब कानून व्यवस्था तथा नागरिकों का शोषण करने वाली संस्थाएं या देश सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते। पुरस्कार समिति का यह कहना कि, श्देशों के बीच आय के अंतर को खत्म करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती हैश, ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावों की ओर छिपा संकेत है जिसके माध्यम से कई देशों की राजनैतिक एवं आर्थिक संस्थाओं को बर्बाद कर उन्हें पिछड़ा बना दिया गया है। उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा प्रवर्तित विभिन्न राजनीतिक व आर्थिक प्रणालियों का विशेलेषण कर संस्थाओं एवं सम्पन्नता के अंतर्संबंधों का पता किया है। उन्होंने इसके उपाय भी बताये हैं कि कैसे इन संस्थाओं को सक्षम कर विकास में उनका सहयोग लिया जा सकता है। इसके कारण यह शोध विश्व भर के उन देशों के लिये मददगार हो सकता हैं जो गरीबी से छुटकारा पाना चाहते हैं। उनकी शोध बतलाती है कि कैसे दुनिया के सर्वाधिक सम्पन्न 20 प्रतिशत देश अब विश्व के सबसे गरीब 20 फीसदी देशों से 30 गुना अमीर हैं। कई विपन्न देश समृद्ध तो हुए हैं लेकिन वे अमीर देशों की तुलना में अब भी कई गुना कम सम्पन्न हो सके हैं। इसका कारण उन्होंने भौगोलिक या सांस्कृतिक फर्क नहीं, सामाजिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली में अंतर को जिम्मेदार बतलाया है। अपनी बात को विस्तार देते हुए तीनों ने बताया है कि उनके मॉडल के तीन हिस्से हैं। पहला तो यह देखना होगा कि संसाधनों का आवंटन कैसे हुआ हैय तथा निर्णय लेने की शक्ति किस समूह के पास है। दूसरा यह कि कभी–कभार जनता को सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग को संगठित कर सत्ता का इस्तेमाल करने का जब अवसर मिलता है तो समाज में निर्णय लेने की शक्ति कहीं अधिक हो जाती है। तीसरी है प्रतिबद्धता। सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग के लिये एकमात्र विकल्प जनता को निर्णय लेने की शक्ति सौंपना है। उपरोक्त निष्कर्षों को यदि गौर से देखा जाये तो बात अंततरू स्वच्छ लोकतांत्रिक प्रणाली एवं ईमानदार संवैधानिक संस्थाओं की आवश्यकता पर जाकर ठहरेगी। किसी भी देश में चाहे जिस विचारधारा की सरकार हो उसके सही या गलत होने का पैमाना यही होगा कि वह इन संस्थाओं को कितनी स्वंतत्रतापूर्वक काम करने देती है। सरकारों का केवल लोकतांत्रिक प्रणाली के जरिये चुना जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से शासन करना भी उतना ही जरूरी है। साथ ही आवश्यक है लोकतांत्रिक संस्थाओं को सम्प्रभुता प्रदान करना। भारत समेत अनेक देशों के ही उदाहरण देखें तो शासकों की प्रवृत्ति शक्तियों के केन्द्रीकरण में है। हमारे ही देश में संस्थाएं कमजोर होती गयी हैं और राज्य शक्तिशाली। बड़ी दिक्कत यह है कि लोगों की समझ को इस प्रकार से भोंथरा कर दिया गया है कि शक्तिशाली सरकारों वाले देश ही सम्पन्न हो सकते हैं। नोबेल पुरस्कृत उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने अध्ययन का दायरा देशों की आर्थिक व्यवस्था तक ही सीमित रखा है, लेकिन इसे समझने के लिये अपनी सोच को विस्तार दिया जाये तो यह भी साफ होता जायेगा कि संस्थाओं की जिस मजबूती की बात की गयी है, उसके अभाव में किसी भी देश में न केवल आर्थिक अव्यवस्था हो जायेगी वरन सामाजिक एवं राजनीतिक अराजकता फैलने में भी देर नहीं लगेगी। यह आशंका तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी उन देशों को लेकर अधिक है जो अविकसित तथा विकासशील राष्ट्रों की श्रेणी में आते हैं। भारत के पड़ोसी देशों– श्रीलंका एवं बांग्लादेश में ऐसा होता हुआ दिख चुका हैं। भारत को इस शोध पर गम्भीर मनन करना चाहिये।

आपदा या कमाई का अवसर

अरविन्द मोहन

अगर दिल्ली की तीनों सरकारें अर्थात केंद्र सरकार, राज्य सरकार और लाट साहब वाली तीसरी सरकार किसी सवाल पर एक ही दिशा में काम करने पर जुटे तो इसे ट्रिपल इंजन सरकार कहा जाए या नहीं, इस बात पर विवाद हो सकता है लेकिन अगर वे तीनों किसी बड़ी समस्या को निपटाने के सवाल पर सक्रिय हो तो सामान्य ढंग से खुश होना बनाता है। दिल्ली में प्रदूषण वाले मौसम की शुरुआत से पहले उसकी रोकथाम के नाम पर ऐसा ही हो रहा है। ऐसा हर साल होता है और स्वास्थ्य के नुकसान के साथ ही काफी सारे धन की बर्बादी को जान समझ लेने के बाद भी कहा जा सकता है कि कुछ मामलों में हल्का फर्क आया है। पराली अर्थात धान की खेत में छोड़ी डंडियों या पुआल को वहीं जला देने से फैलने वाले धुएं की मात्रा और सघनता में कमी आई है और कई कदम भी उठाने का प्रयास हुआ है। ऐसा सारे कदमों के लिए नहीं कह सकते पर बेतहाशा बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं को भी नुकसानदेह गिनना ऐसा ही कदम है जो कैंसर से लेकर न जाने कितनी बीमारियों का कारण माना जाता है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि आपदा में अवसर ढूंढने वाले भी आ गए हैं। मुश्किल यह है कि ऐसा सिर्फ कमाई के काम में लगे चंद लोग नहीं हैं, खुद सरकार उनकी सेवा में लगी दिखती है। और वह गलती करने वालों को पकड़ने या सजा देने की जगह अपने नागरिकों को सजा देने, वसूली करने और उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ की छूट दे रही है। जो लोग प्रदूषण रोकने के मानकों पर खरा उतरने वाले वाहन नहीं बना रहे हैं सरकार उनके वाहनों की बिक्री बढ़वाने का जिम्मा लेकर काम करती लग रही है और यह करते हुए उसका खजाना भी भर रहा है। जिन नागरिकों की जेब कट रही है या जिनको प्रदूषण की मार झेलनी होती है उनको ही दोबारा वहां खरीदने का बोझ उठाना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को नाश होने दिया है। अकेले दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 2021–22 में सीधे 35.4 फीसदी कमी हो गई है। 2020–21 में दिल्ली में 1.2 करोड़ पंजीकृत वाहन थे जो 2021–22 में 79.2 लाख रह गए। दिल्ली सरकार ने 48,77,646 वाहनों का पंजीयन समाप्त किया था और बड़े पैमाने पर पुराने वाहनों की धर–पकड़ से यह सफलता मिली थी पर ये सारे वाहन किसी न किसी के उपयोग में थे, जीवन चला रहे थे, उनकी शान थे। यह और बात है कि हमको–आपको चूं की आवाज भी सुनाई नहीं दी। अब फिर सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर–पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई। सक्सेना साहब इस काम को मिशन भाव से कर रहे हैं। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट नामक संस्था भी सर्दियों के पहले बढ़ते प्रदूषण के नाम पर अपनी रिपोर्ट और सुझाव के साथ हाजिर है। किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनका बैर प्रदूषण से है या पुरानी गाड़ियों से या फिर सबका उद्देश्य नई गाड़ियां बिकवाना है। न तो प्रदूषण चेक करके देखने की जरूरत मानी गई ना ऐसे वाहनों को देहात या कम प्रदूषण वाले इलाकों में भेजने का या सस्ते निर्यात का विकल्प सोचा गया। सीधे दामिल फांसी। जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है उनमें बहुत ऐसी भी है जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है। सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे पर उनके मुकदमे का क्या हुआ? यह खबर कहीं से नहीं आई है। दूसरी ओर, हर कहीं पुराने वाहनों की धर–पकड़ हो रही है। सिपाहियों को सिर्फ निर्देश नहीं है, संभवतः कुछ बोनस भी दिया जा रहा है। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की है कि दिल्ली में 5928675 ऐसी गाड़ियां हैं लेकिन सिर्फ कुछ हजार गाड़ियां ही पकड़ी गई हैं। लाट साहब सक्सेना जी अलग लगे पड़े हैं। सो देखते जाइए कि इस बार के धुंध और प्रदूषण के मौसम में कितनी गाड़ियां कुर्बान होती हैं। जाहिर तौर पर इन सबके पीछे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2020–21 के बजट में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों को जोड़कर करीब अस्सी लाख गाडियों को 'स्क्रैप' करने की बात कही है। साल मे 48 लाख से ज्यादा गाड़ियां कबाड़ बन गईं और अब 60 लाख गाड़ियों का पंजीकरण खत्म हुआ है तो देश भर की संख्या से निर्मला जी और गडकरी साहब बहुत खुश होंगे ही। माना जाता है कि जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण घोषणा कर रही थीं तब उन्होंने जानबूझ कर गलत आंकड़ा दिया। उन्होंने जो संख्या बताई वह असल संख्या के लगभग चालीस फीसदी भी नहीं मानी जाती। जानकार मानते हैं कि

तब भी कहीं से कोई आवाज नहीं आई थी। इसके बाद नई नीति के कुछ संकेत परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिए थे। यह फैसला सिर्फ नई गाडियों के लिए नहीं था बल्कि उन गाडियों पर भी लागू हुआ जिनका पन्द्रह और बीस साल का रोड टैक्स पहले वसूला जा चुका था। कहना न होगा कि मामला दिल्ली भर का नहीं है। अगर अकेले दिल्ली में एक देश में इस नीति के दायरे में आने वाले वाहनों की संख्या चार से साढ़े चार करोड़ के बीच होगी जिनमें से आधे से कम वाहन ही उम्र की सीमा के अन्दर हैं। जाहिर है काफी सारे वाहन जिला पंजीयन कार्यालय की पहुंच और जानकारी से भी बाहर होंगे। कार को कबाड़ मानकर तोड़ना, गलाना और उसके मुत्क्री भर धातुओं का दोबारा इस्तेमाल करने से बेहतर तो यही है कि किसी तरह उसमें इस्तेमाल हुई चीजों का तब तक अधिकतम इस्तेमाल किया जाए जब तक वे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात ज्यादा प्रदूषण फैलाकर) हमारे लिए खतरा न बन जाएं. यह कल्पना भी आसान नहीं है कि भारत जैसे गरीब मुल्क में बनी गाड़ियों में से दो करोड़ से ज्यादा को हमारी ही सरकार कबाड़ बनाने जा रही है। एक तो भारत जैसे देश में इतनी गाड़ियों के बनने चलने और सार्वजनिक परिवहन की इस दुर्गति पर भी सवाल उठने चाहिए। इतनी गाडियों से रोड टैक्स वसूलने के बाद भी टोल टैक्स वसूली वाली सड़कों पर सवाल उठने चाहिए। लेकिन इनमें से कोई सवाल इतना बड़ा नहीं है कि एक साथ दो–ढाई करोड़ ऐसी गाड़ियों को कबाड़ घोषित करके गिनती की कम्पनियों को मालामाल करने के फैसले पर सवाल उठाने की बात भुला दी जाए।

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में अधिक सावधान रहना होगा

कल्याणी शंकर

कांग्रेस पार्टी को अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उसने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव को ठीक से नहीं लड़ा, जिससे भाजपा को दस साल की सत्ता विरोधी लहर के बावजूद तीसरी बार जीत हासिल करने का मौका मिल गया। अधिकांश एग्जिट पोल ने कांग्रेस की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भाजपा ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, एक ऐसी जीत जिसने खुद भाजपा को भी चौंका दिया। यदि कांग्रेस हरियाणा में जीत जाती तो कांग्रेस के पुनरुत्थान की कहानी को बढ़ावा मिलता। हालांकि, कांग्रेस ने हाल ही में आंतरिक संघर्षों के कारण यह पांचवां विधानसभा चुनाव गंवा दिया। इसके पहले वह पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार चुकी थी। अब यह अनिश्चित है कि इंडिया गठबंधन में उसकी साझेदार राजनीतिक पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ एकजुट होंगे या नहीं। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के लिए आप के साथ गठबंधन जीत के लिए फायदेमंद होता है या नहीं, इस पर बहस हो रही है। दूसरे, हार का असर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले आगामी चुनावों पर पड़ेगा। हरियाणा के नतीजों का तत्काल असर दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पड़ने की संभावना है। तीसरे, यह अनिश्चित है कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन होगा या नहीं। आप पहले ही कह चुकी है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी। अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने–सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। उन्होंने भाजपा को हराने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और कुछ हद तक इसमें सफल भी रहे। भाजपा का बहुमत कम हो गया और जेडी(यू) और टीडीपी की मदद से सरकार बनानी पड़ी। हरियाणा की हार ने गठबंधन के भीतर की स्थिति को बदल दिया है, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक की अन्य राजनीतिक पार्टियों को कांग्रेस पर बढ़त मिल गयी है। साझेदार शायद थोड़ी अधिक संयमित और समझ–बूझ से निर्णय करते हुए अब कांग्रेस के साथ काम करेंगे। अभी तक किसी राजनीतिक पार्टी ने यह नहीं कहा है कि इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है। इसके विपरीत, हार के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस के साथ सपा का गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा, श्मैं कहना चाहता हूं कि इंडिया ब्लॉक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस–सपा का गठबंधन बरकरार रहेगा। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी, जबकि उसने तीन महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। कांग्रेस तथा आप को कोई सीट नहीं मिली थी। अन्य सहयोगियों ने कांग्रेस की अति आत्मविश्वास और सीट बंटवारे के प्रति उसके कठोर रवैये की आलोचना की। लोकसभा चुनाव में अपनी संख्या दोगुनी करने वाली कांग्रेस हरियाणा में मिली करारी हार के बाद कमजोर पड़ गयी है। अधिकांश एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस की आश्चर्यजनक जीत का संकेत दिया क्योंकि भाजपा को 10 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा और असंतुष्ट लोगों के एक वर्ग से निपटना पड़ा। हालांकि, भाजपा ने सबको चौंका दिया और हरियाणा में अपनी सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस ग्रामीण राज्य में किसी भी पार्टी को कभी भी तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल नहीं हुई थी। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस को सीट बंटवारे के फॉर्मूले और चुनाव से पहले ही ठाकरे को सीएम के चेहरे के रूप में पेश करने की शिवसेना की मांग पर अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। आप ने हरियाणा चुनाव में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन उसे लगभग 1.78 प्रतिशत वोट मिले। अगर कांग्रेस ने आप के साथ गठबंधन किया होता तो निस्संदेह यह इंडिया ब्लॉक की झोली में जुड़ जाता। शिवसेना नेता संजय राऊत के अनुसार, कांग्रेस ने छोटी पार्टियों और उनके सहयोग के प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया। तृणमूल कांग्रेस, आप, शिवसेना (उद्धव), नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरजेडी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पर्टियों के नेताओं ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शिवसेना के मुखपत्र सामना में बुधवार को संपादकीय में कहा गया, 'किसी ने नहीं सोचा था कि हरियाणा में भाजपा की सरकार फिर बनेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अहंकार के कारण पार्टी की हार हुई।' लोकसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे के लिए अपनाये गये फॉर्मूले को दोहराना महत्वपूर्ण है, कम से कम महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में तो यही होगा। कमजोर कांग्रेस अपने अधिकांश सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में बढ़त नहीं बना पायेगी। गठबंधन में मौजूदा मूड का असर कांग्रेस के अपने सहयोगियों के साथ संबंधों पर पड़ना चाहिए। विपक्ष शायद और झटके न झेल पाये। कांग्रेस को भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में लोक सभा की 286 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2024 के चुनावों ने साबित कर दिया कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 2019 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 29प्रतिशत हो गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ 286 सीटों पर चुनाव लड़ा, जो 2014 में 370 से कम है। कांग्रेस 2004 और 2009 में अपने सहयोगियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के कारण सत्ता में आई थी। इंडिया गठबंधन को बनाये रखने की जिम्मेदारी मोटे तौर पर कांग्रेस पर है। उसे यह समझना चाहिए कि हर साथी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा जरूरी है। कांग्रेस ने आत्ममंथन किया है। पंचमढ़ी और शिमला इसके अच्छे उदाहरण हैं। अब एक और ऐसे सत्र का समय आ गया है।

काम पर लौटीं मॉम दीपिका पादुकोण, पति रणवीर सिंह दिखे साथ

दीपिका पादुकोण के पति और इंडस्ट्री के 'सिम्बा' रणवीर सिंह ने अपने नए विज्ञापन का एक वीडियो शेयर किया। दोनों साथ में हैं। शेयर किए गए पोस्ट पर देखते ही देखते फैंस ने कमेंट्स की बरसात कर 'पीकू' एक्ट्रेस पर जमकर प्यार लुटाया।

दीपिका पादुकोण के फैंस के लिए खुशखबरी! हाल ही में मां बनीं दीपिका काम पर लौट आई हैं। मंगलवार को दीपिका पादुकोण के पति और इंडस्ट्री के 'सिम्बा' रणवीर सिंह ने अपने नए विज्ञापन का एक वीडियो शेयर किया। दोनों साथ में हैं। शेयर किए गए पोस्ट पर देखते ही देखते फैंस ने कमेंट्स की बरसात कर 'पीकू' एक्ट्रेस पर जमकर प्यार लुटाया। शेयर किए गए पोस्ट पर एक फैन ने लिखा 'सबसे शानदार जोड़ी'। एक अन्य ने 'यह बहुत प्यारा है'। यही नहीं कई प्रशंसकों ने जोड़े से अपनी नवजात बच्ची का नाम बताने का भी अनुरोध किया। एक यूजर ने कहा 'अरे रणवीर, आपकी बच्ची का नाम क्या है? हम फैंस बेबी के नाम की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच बता दें कि साल 2018 में रणवीर और दीपिका ने एक दूजे का हाथ थामा था। 8 सितंबर को उनकी बेटी का जन्म हुआ। हाल ही में 'चेन्नई एक्सप्रेस' एक्ट्रेस ने नींद की कमी का जिक्र किया था। कहा था कि वो ठीक से सो नहीं पा रहीं। अपनी 'लाइव लव ऑफ लेक्चर' सीरीज के दौरान दीपिका ने बताया कि कैसे लगातार नींद की कमी और बर्न आउट ने उन्हें प्रभावित किया है, यहां तक कि उनके निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रभावित किया है। पठान एक्ट्रेस ने कहा था 'जब आप नींद से वंचित होते हैं या बर्न आउट होते हैं तो आप जो निर्णय लेते हैं वह प्रभावित होते हैं और मुझे लगता है कि कभी–कभी मैं वास्तव में इसे महसूस कर सकती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे पता है कि कुछ खास दिनों में जब मैं तनाव महसूस करती हूं या बर्न आउट होती हूं क्योंकि मैंने पर्याप्त नींद नहीं ली है या सेल्फ–केयर को नजरअंदाज किया है... तो मैं बता सकती हूं कि मेरी निर्णय लेने की क्षमता कुछ हद तक प्रभावित हो रही है।'

दीपिका पादुकोण मां की जिम्मेदारी निभाते हुए सिल्वर स्क्रीन पर भी छाने को तैयार हैं। वो रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार के साथ दिखाई देंगी। दीपिका फिल्म में शक्ति शेट्टी उर्फ लेडी सिंघम का किरदार निभाती नजर आएंगी।

शूजीत सरकार ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'सरदार उधम' की तीसरी वर्षगांठ मनाई

आज विक्की कौशल की आलोचकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'सरदार उधम' की तीसरी वर्षगांठ है, जिसका निर्देशन शूजीत सरकार ने किया है। इस अवसर को मनाने के लिए, निर्माताओं ने एक भावनात्मक क्लिप जारी की है, जो फिल्म के सार को प्रस्तुत करती है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सरदार उधम सिंह की रिमार्केबल यात्रा का जश्न मनाती है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए, कैप्शन में लिखा, "यहां एक ऐसी कहानी के लिए जो सरदार उधम सिंह की साहस और दृढ़ता की क्रांतिकारी जर्नी को संजोती है! शूजीत सरकार के निर्देशन की जादूगरी आपको इस दिल को छू लेने वाली कथा में और गहराई से ले जाती है! इस फिल्म ने पिछले साल 5 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते, जो इसकी प्रतिभा का सच्चा प्रमाण है। फिल्म सिंह के जीवन की पड़ताल करती है, उनके अडिग साहस और दृढ़ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जब उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए न्याय की खोज की। सरकार के कुशल निर्देशन में जीवंत की गई ग्रिपिंग कहानी दर्शकों को एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाती है, जो सिंह के बलिदान और दृढ़ संकल्प की गहराई को दर्शाती है। रिलीज के बाद से, सरदार उधम ने अपार प्रशंसा प्राप्त की है और पिछले वर्ष 5 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। इसकी सिनेमाटोग्राफी और पटकथा में बारीकी से ध्यान देने की प्रशंसा की गई है, जिसने इसे भारतीय सिनेमा में एक विशेष स्थान दिलाया है।

'इंडियन आइडल 15' में अन्य गायकों की नकल करने पर प्रतियोगी की लगाई क्लास

टैक्सी नंबर 9211, सलाम नमस्ते, ओम शांति ओम, टशन और अन्य गानों के लिए मशहूर जोड़ी विशाल–शेखर में से संगीतकार विशाल ददलानी ने सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 15 में एक प्रतियोगी को अपने खास अंदाज में गाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशाल इंडियन आइडल 15 में बादशाह, श्रेया घोषाल के साथ जज की भूमिका निभा रहे हैं। तुम क्या मिले और पहली नजर में गाने वाले 23 वर्षीय प्रतियोगी लक्ष्य को जजों से यह उम्मीद थी कि उन्हें उनकी परफॉरमेंस बेहद पसंद आएगी। मगर ऐसा नहीं हुआ, जजों ने प्रसिद्ध गायकों की नकल करने के लिए प्रतियोगी की जमकर आलोचना की। विशाल ने लक्ष्य का ऑडिशन बीच में ही रोक दिया और कहा, "आप ओरिजनल सिंगर्स के बदलाव अपने गाने में डाल रहे हैं, पहले अरिजीत की आवाज, फिर आतिफ की आवाज में आप अच्छा गा रहे हैं, पर आप अपना नहीं गा रहे हो। ये इंडियन आइडल है यहां से आइडल निकलते हैं, यहां आप नकल करके आगे नहीं बढ़ोगे। उन्होंने आगे कहा, आप सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन करते हैं। अक्सर शो में जब आप दूसरे कलाकारों की नकल करते हैं तो आप दर्शकों से प्रशंसा पाते हैं क्योंकि वे आपके गानों को उसी तरह सुनना चाहते हैं जैसा वह जानते या सुनते आए हैं। लेकिन, जब तक आप अपनी पहचान नहीं बना लेते तब तक आप कभी स्टार नहीं बन सकते। आप किसी और की शैली में गाकर इंडियन आइडल नहीं बन सकते। विशाल ने लक्ष्य से कहा कि उसे उसकी आवाज बहुत पसंद है लेकिन, उसे दूसरों की नकल करना पसंद नहीं है। उन्होंने आगे कहा, "आप सीखो जरूर, ये बहुत बड़े कलाकार हैं और बहुत अच्छे कलाकार हैं। लेकिन, जिस दिन आप उनकी नकल करने लग जाओगे, उनकी स्टाइल अपना लोगे तो आप होटल, रेस्टोरेंट में गाते रह जाओगे। एक कलाकार बनने के लिए, आपको वास्तव में अपनी जगह खुद ढूंढनी होगी। इंडियन आइडल 15 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

चेन्नई बारिश से हाल बेहाल, सुपरस्टार रजनीकांत के 35 करोड़ के आलीशान घर में घुसा पानी

चेन्नई में इस समय भारी बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी भर गया है जो लोगों के घरों में भी जा रहा है। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत भी बारिश से बेहाल है। उनके आलीशान घर में बारिश का पानी घुस गया है। पूरा इलाका भी जलमग्न हो गया है। जेलर अभिनेता के चेन्नई स्थित आवास का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है जिसमें उनके घर का परिसर पूरी तरह से जलमग्न है। रजनीकांत के कर्मचारी भी ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि पानी निकालने को लेकर तुरंत कार्रवाई की जाए। इस एरिया में तमाम लोगों के घरों में भी पानी भर गया है। रजनीकांत का घर, चेन्नई के पॉश एरिया में है। इस एरिया में कई जानी– मानी हस्तियां, बिजनेसमैन और वकील रहते हैं। रिपोर्ट्स बता रही हैं कि नगर निगम के अधिकारियों ने पानी को बाहर निकालने के लिए तुरंत आपातकालीन उपाय शुरू कर दिए हैं। बता दें कि तमिलनाडु के उत्तर–पूर्वी मानसून के आगमन के साथ ही बारिश बहुत तेज हो गई है। चेन्नई के कई हिस्सों में जलभराव हो गया है। गाड़ियां नहीं चल पा रही हैं और निचले इलाकों में भारी बाढ़ की समस्या बनी हुई है। स्कूल और कॉलेज में छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। हेल्प लाइन नंबर 1913 की घोषणा की गई है।राज्य सरकार ने आवश्यक सेवाओं पर रोक लगाते हुए स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में छुट्टी घोषित कर दी है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी कब होगी रिलीज? फिल्म से जुड़े सूत्र के सनसनीखेज दावे के बाद दर्शकों ने ली राहत की सांस

अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसीश की रिलीज लंबे समय से अटकी पड़ी है। अब खबर आयी है कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। इंडिया टुडे डिजिटल की एक एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स इस फिल्म को पंजाब चुनाव के बाद सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। बता दें, इससे पहले ये फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी। लेकिन सिखों के विरोध के बाद इसे टाल दिया गया था। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया है कि सीबीएफसी की सभी शर्तों पर सहमति जताने के बाद, टीम संभवतः पंजाब चुनाव के बाद फिल्म रिलीज करेगी। यह फिल्म वाकई सभी के दिल के करीब है और दर्शकों को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। इसलिए, काफी विचार–विमर्श के बाद और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के लिए, पूरी टीम ने फैसला किया कि चुनाव खत्म होने के बाद, वे एक उपयुक्त दिन तय करेंगे और फिल्म रिलीज करेंगे। फिलहाल फिल्म को शांत समय में रिलीज करना सबसे अच्छा फैसला लगता है। रनौत की यह फिल्म तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल की राजनीतिक घटनाओं के इर्द–गिर्द घूमती है। इसके ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से फिल्म विवादों में घिरी हुई है। सिख समूहों ने श्इमरजेंसीश की रिलीज का विरोध जताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह उनके समुदाय को गलत तरीके से पेश करती है। इसके बाद मेकर्स को फिल्म की रिलीज टालनी पड़ी थी। सिख संगठनों की आलोचनाओं के बाद सीबीएफसी ने इमरजेंसी के लिए यू/ए सर्टिफिकेट जारी किया और कुछ कट्स का सुझाव दिया था।

कार्तिक आर्यन ने अपने धमाकेदार डांस मूव्स से मचाई धूम, पिटबुल और दिलजीत के साथ लाए पार्टी एंथम

भुल भुलैया 3 के मच अवेटेड टाइटल ट्रैक का इंतजार खत्म हो गया है! टी–सीरीज और भूषण कुमार ने भारत के सिनेमा में सबसे आईकॉनिक म्यूजिकल सहयोग को बनाकर इतिहास रच दिया है। मेकर्स ने अभी–अभी मच अवेटेड भूल भुलैया 3 का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है, जिसमें इंडिया के पॉपुलर स्टार कार्तिक आर्यन हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि यह ट्रैक चार्ट के साथ साथ दिलों पर भी राज करने वाला है। ये ट्रैक एक विजुअल ट्रीट है, जिसमें कार्तिक आर्यन अपने स्लीक, स्मूथ और कैची स्पूकी स्लाइड डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा रहे हैं। इस ट्रैक को खास बनता है इंटरनेशनल स्टार पिटबुल का परफेक्ट रैप जो हरे राम–हरे कृष्णा मंत्र के साथ ब्लेंड कर रहे है। साथ ही, पंजाबी सेंसेशन दिलजीत दोसांझ अपना अनोखा स्टाइल लाते हैं, और नीरज श्रीधर हिंदी वोवल्स को संभालते हैं। यह सभी मिल कर, भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की असली एसेंस को बनाए रखते हैं, साथ ही मॉडर्न और इंटरनेशनल ट्विस्ट भी देते हैं। म्यूजिक माइस्ट्रॉस प्रीतम और तनिष्क बागची की लीडरशिप में, और नीरज श्रीधर की पहचानी जानी वाली आवाज से उनका सिग्नेचर टच मिलता है। ये ट्रैक ग्लोबल बीट्स और देसी फ्लेयर का एक परफेक्ट मिक्स है, जो संस्कृतियों को अच्छे से ब्लेंड करता है। भूषण कुमार ने भारतीय सिनेमा के लिए एक अनोखा सहयोग किया है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए वे कहते हैं, "हम भूल भुलैया 3 के लिए इस स्पेशल म्यूजिकल सहयोग को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पिटबुल, दिलजीत दोसांझ और नीरज श्रीधर को एक साथ लाना कुछ ऐसा है जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं किया गया है। प्रीतम और तनिष्क बागची द्वारा बीट्स तैयार करने के साथ, हम बॉलीवुड म्यूजिक की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। और सबसे बढ़कर, इस ट्रैक में सभी के पसंदीदा कार्तिक आर्यन अपने बेहतरीन चार्मिंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसमें शानदार ग्लाइडिंग डांस मूव्स दिखाए गए हैं, जो बिना किसी शक सभी को थिरकने पर मनबूर कर देंगे। यह सहयोग एक माइलस्टोन है और हम दुनिया भर के फैंस द्वारा इसका अनुभव करते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकते। अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा निर्देशित, भूल भुलैया 3 बॉलीवुड की पसंदीदा हॉरर–कॉमेडी फ्रैंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने का वादा करती है, और इस शानदार टाइटल ट्रैक के साथ इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।चिल्स, थ्रिल्स और यादगार म्यूजिक से भरी दिवाली के लिए तैयार हो जाइए! और ज्यादा एक्साइटिंग अपडेट के लिए बने रहें क्योंकि भूल भुलैया 3, इस 1 नवंबर, 2024 को अपनी ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है।

शरद पूर्णिमा पर चावल की खीर से पाएं अमृत का आशीर्वाद, जानें बनाने का तरीका

शरद पूर्णिमा को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह वह रात होती है जब चंद्रमा अपनी पूरी शक्ति के साथ चमकता है और कहा जाता है कि इस रात चांदनी के साथ अमृत की वर्षा होती है। इस अवसर पर विशेष रूप से चावल की खीर बनाई जाती है, जिसे चांदनी के नीचे रातभर रखा जाता है। माना जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात इस खीर में अमृत का अंश समाहित हो जाता है, जो इसे खास बनाता है।

शरद पूर्णिमा की खीर पूजा और स्वास्थ्य का संगम

शरद पूर्णिमा की खीर का न केवल धार्मिक, बल्कि स्वास्थ्य से भी गहरा संबंध है। माना जाता है कि इस रात में बनाई और चांदनी के नीचे रखी गई खीर का सेवन करने से स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह परंपरा कई सदियों से चली आ रही है और आज भी घर–घर में इसका पालन किया जाता है।

शरद पूर्णिमा पर चावल की खीर बनाने की रेसिपी

शरद पूर्णिमा की रात खास चावल की खीर बनाई जाती है, जिसे बनाना बहुत आसान है। आइए जानते हैं इस खीर को बनाने की विधि

सामग्री

1 कप चावल
1 लीटर दूध
1 कप चीनी
1/4 कप चिरौंजी
1/4 कप काजू–बादाम (बारीक कटे हुए)
2–3 इलायची (पिसी हुई)
1 चुटकी केसर (2 चम्मच दूध में भिगोई हुई)

विधि

पहला स्टेप

सबसे पहले, 1 कप चावल को अच्छे से धो लें और 15 मिनट तक पानी में भिगो दें। अब एक कुकर में चावल डालकर 1 कप से थोड़ा ज्यादा पानी डालें और 2–3 सीटी लगा लें। जब कुकर ठंडा हो जाए, तो चावल को हल्का मैश कर दें।

दूसरा स्टेप

अब एक गहरे बर्तन में दूध को उबालें और उसमें पके हुए चावल डालें। खीर को धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक चावल दूध में अच्छी तरह से घुल न जाए। बीच–बीच में खीर को चलाते रहें ताकि दूध तले में न लगे।

तीसरा स्टेप

जब खीर गाढ़ी हो जाए, तो उसमें चीनी डालकर मिलाएं। इसके बाद पिसी हुई इलायची, चिरौंजी, काजू और बादाम डालें। केसर वाले दूध को भी इसमें मिला दें और खीर को अच्छी तरह से पकने दें।

चांदनी में रखने की परंपरा

जब खीर पूरी तरह से तैयार हो जाए, तो इसे एक साफ बर्तन में निकालकर रातभर के लिए चांदनी के नीचे रखें। इसे किसी हल्की जाली या कपड़े से ढक दें ताकि चांद की रौशनी सीधे खीर पर पड़े। सुबह सबसे पहले इस खीर का सेवन करें या पूरे परिवार के साथ साझा करें।

शरद पूर्णिमा की खीर का विशेष महत्व

शरद पूर्णिमा पर बनाई गई इस खीर को न सिर्फ स्वाद के लिए बल्कि स्वास्थ्य लाभ के लिए भी खाया जाता है। इसे अमृतमयी खीर माना जाता है, जो जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाती है। शरद पूर्णिमा की खीर केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और स्वास्थ्य लाभ से जुड़ी परंपरा है। इसे बनाना जितना आसान है, इसका महत्व भी उतना ही गहरा है। इस शरद पूर्णिमा पर आप भी इस अमृतमयी खीर को बनाएं और अपने परिवार के साथ इसका आनंद लें।

हर समय सीने में भारीपन और जकड़न महसूस होती है तो क्या करें?

आपने बहुत से लोगों को ये कहते सुना होगा कि उन्हें सीने में भारीपन व जकड़न या हल्का दर्द जैसा महसूस होता है। जब ऐसा होता है तो ज्यादातर लोग इसे चिंता के रूप में दिल से जोड़ कर देखते हैं लेकिन सीने में भारीपन और जकड़न की वजह जरूरी नहीं कि दिल से ही जुड़ी हो। बल्कि सीने में जकड़न और भारीपन होने के और भी बहुत से कारण हो सकते हैं। चलिए सीने के भारीपन और जकड़न के क्या कारण हो सकते हैं।

सीने में भारीपन और जकड़न होने की वजह

सीने में दर्द, हमेशा दिल के दौरे का संकेत नहीं होते। सीने में भारीपन जकड़न होने की बहुत सी वजहें हो सकती हैं। जैसे कफ–इंफेक्शन होना, गैस–एसिडिटी होना, किसी प्रकार की टैंशन, मानसिक चिंता, निमोनिया की समस्या हो सकती हैं। सीने में जकड़न व दर्द के अन्य कारणों में हार्टबर्न, इंफेक्शन, सूजन और पैनिक अटैक शामिल हैं। एनजाइना एक प्रकार का सीने का दर्द है जो दिल के दौरे से अलग होता है लेकिन यह भी बढ़े हुए जोखिम का संकेत देता है।

गैस के चलते छाती में दर्द व भारीपन होने के लक्षण

बहुत से लोगों का ये सवाल रहता है कि क्या गैस–एसिडिटी के चलते सीने में दर्द या भारीपन हो सकता है तो जवाब है जी हां, गैस की वजह से सीने में भारीपन या बेचौनी का एहसास हो सकता है। इसके कुछ लक्षण हैं छाती में भारीपन, दबाव, जकड़न और सिकुड़न। सुस्त, दर्द या ऐंठन जैसी संकेत गैस के दर्द के कुछ लक्षण हैं। सांस फूलना, पसीना आना, मतली, चक्कर आना, उल्टी आना, पेट फूलना, डकार आना, पेट फूलना और पेट में परेशानी, दिल की धड़कन तेज या घबराहट। इसके चलते छाती में दर्द महसूस हो सकता है।

सीने में जकड़न व भारीपन होने के कुछ बड़े कारण

सीने में जकड़न व दवाब जैसा महसूस उस समय भी होता है जब व्यक्ति, इन हैल्थ प्रॉब्लम की चपेट में हो। जैसेः दमा, निमोनिया, श्वसन संक्रमण ,हाई ब्लड प्रैशर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), एलर्जी, एसिड रिफ्लक्स या जीईआरडी (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रिफ्लक्स रोग) कपेमेंम, कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी), पित्ताशय की पथरी , दाद, पेप्टिक अल्सर। इसके अलावा जिन लोगों का वजन बहुत ज्यादा है। दिल से जुड़ी समस्याएं, धूम्रपान, एलर्जी, फिजिकल एक्टिविटी ना करने वालों को लोगों को भी सीने में जकड़न–भारीपन महसूस हो सकता है।

सीने में दर्द के 3 लक्षण क्या हैं?

सीने में दर्द हो रहा हो तो ये लक्षण दिख सकते हैं जैसे–सांस फूलना, मतली, चक्कर आना या ठंडा पसीना आना। सीने में दर्द और जबड़े में या बाये कंधे–बाजु में दर्द। घबराहट (दिल की धड़कन तेज होना)।

सीने में अचानक दर्द होने के कारण

सीने में दर्द के कई कारण हो सकते हैं जैसे कि आपके दिल, फेफड़े या पाचन तंत्र में कोई दिक्कत हो तो। ऐसे लक्षण कुछ कारण जानलेवा होते हैं जबकि कुछ नहीं भी होते। डाक्टरी जांच के द्वारा ही आपको सीने में दर्द के सही कारण पता लग सकते हैं। अगर समस्या बड़ी है तो सीने में दर्द के उपचार में दवाएं या ऑपरेशन शामिल हो सकते हैं।

क्या टेंशन से सीने में दर्द होता है?

चिंता, बेचौनी या तनाव महसूस करना जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। चिंता या घबराहट के कारण सीने में दर्द आमतौर पर एक तेज, चुभने वाली सनसनी की तरह महसूस हो सकता है जो अचानक शुरू होता है। हालांकि व्यक्ति सीने में दर्द शुरू होने से पहले ही तनावग्रस्त या चिंतित महसूस कर सकते हैं। चिंता या घबराहट के दौरे के आम लक्षणों में शामिल है चक्कर आना। इसी के साथ सीने में दर्द दिल के दौरे और अन्य हृदय संबंधी स्थितियों का भी लक्षण हो सकते है इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि चिंता के कारण होने वाला सीने में दर्द कैसा महसूस होता है और आप अपने लक्षणों में सुधार कैसे कर सकते हैं।

अगर ऐसा लगातार हो रहा है तो डाक्टरी सलाह जरूर लें।

सीने में भारीपन हो तो क्या करना चाहिए?

सीने में जकड़न को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आपको सीने में जकड़न के साथ–साथ अन्य चिंताजनक लक्षण भी महसूस होते हैं तो तुरंत डॉक्टर से चेकअप करवाएं क्योंकि सीने में जकड़न दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का भी लक्षण हो सकता है। अगर छाती की जकड़न या भारीपन चेस्ट व लंग्स इंफेक्शन के कारण है तो यह सामान्य है जो सामान्य सर्दी–जुकाम के कारण भी हो सकती है जिसके चलते बलगम के जमा होने के कारण फेफड़ों और वायुमार्ग में जमाव पैदा कर देता है। इससे छुटकारा पाने के लिए हाइड्रेट रहें। हाइड्रेटेड रहने से बलगम पतला होता है और बलगम को आसानी से बाहर निकालने में मदद मिलती है। सूप और गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें। जैसे–काढ़ा, गर्म गुनगुना पानी, तुलसी टी आदि। सर्दी–खांसी दूर करने वाली दवाइयों की मदद से भी छाती का जमाव ठीक होगा। रात में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करने से बलगम कम होती है और छाती से दबाव कम होता है और रात में बेहतर नींद आने में मदद मिल सकती है। कम मात्रा में खाएं और ज्यादा मील लें। धूम्रपान से बचें। कार्बोनेटेड, कैफीनयुक्त या एल्कोहल युक्त चीजों से परहेज करें। तले–भूने ऑयली फूड्स, चॉकलेट, टमाटर और प्याज आदि का सेवन कुछ दिन ना करें। फेफड़ों की समस्याएं जैसे कि सीओपीडी, छाती में तकलीफ पैदा कर सकती हैं, जिससे दर्द और जकड़न के लक्षण हो सकते हैं। पर्याप्त आराम करें। शरीर पर ज्यादा दबाव डाले बिना हल्की सैर करने की सलाह दी जा सकती है।

टेंशन के चलते सीने में दर्द हो तो क्या करें ?

जिन लोगों को चिंता, एंग्जाइटी, घबराहट के चलते सीने में भारीपन महसूस होता है वह मेडिटेशन करें और इससे आपको नेगेटिव चिंताजनक विचारों से बाहर आने में मदद मिलेगी। सांस लेने में तकलीफ है तो सांस लेते समय पांच तक गिनें, चार सेकंड तक रोकें और अगले तीन सेकंड में छोड़ दें। ऐसा तब तक जारी रखें जब तक कि सांस फिर से सामान्य न हो जाए। रूटीन में एक्सरसाइज करें।

मांसपेशियों में चोट के चलते जकड़न है तो क्या करें

मांसपेशियों की चोट के चलते अगर सीने में जकड़न महसूस हो रही है तो उचित चिकित्सा देखभाल बहुत महत्वपूर्ण है। पर्याप्त आराम करें। चिकित्सक सलाह से ही चोट का इलाज करें।

डॉक्टर से कब परामर्श लें?

सीने में जकड़न को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आपको सीने में जकड़न के साथ–साथ अन्य चिंताजनक लक्षण भी महसूस होते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

सीने में जकड़न दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का लक्षण हो सकता है।

सीने में दर्द या जकड़न जो गर्दन, बाएं हाथ और जबड़े तक फैल जाए और बहुत ज्यादा हो।

लगातार सांस फूलने लगे या सांस लेने में कठिनाई हो।

चक्कर आना, बेहोशी या आंखों के आगे अंधेरा आने लगे।

इस तरह खरीदें डेकोरेशन आइटम्स, राजमहल जैसे जगमगा उठेगा आपके सपनों का आशियाना

यदि घर की साज–सज्जा के लिए यदि सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक ही डेकोरेटिव आइटम पूरे घर को चमका सकते हैं। घर का सामान खरीदते समय यदि आप कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो आप घर को बेहतर तरीके से सजा सकती हैं। त्योहार आदि के मौके पर लोग घरों को सजाने के लिए तमाम तरह के डेकोरेशन आइटम्स की खरीददारी करते हैं। घरों को सजाना आसान होने के साथ काफी मुश्किल होता है। अक्सर लोग अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए आर्टिफिशियल फूलों के साथ, स्टैचू और वॉल पेंटिंग खरीदकर लाते हैं। लेकिन समस्या यह होती है कि इन आइटम्स को कहां और किस जगह पर लगाया जाए। वहीं क्या ये डेकोरेशन आइटम्स घर को सुंदर दिखाएं। ऐसी तमाम तरह की बातें हमारे दिमाग में चलती रहती हैं। हालांकि इस बात में कोई शक नहीं है कि घर की साज–सज्जा के लिए यदि सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक ही डेकोरेटिव आइटम पूरे घर को चमका सकते हैं। घर का सामान खरीदते समय यदि आप कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो आप घर को बेहतर तरीके से सजा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम डेकोर के कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप डेकोरेशन आइटम खरीदने के दौरान अपना सकती हैं।

टिकाऊ और मजबूत डेकोरेशन आइटम

मार्केट में अलग–अलग तरह के डेकोरेशन आइटम्स मिलते हैं। कुछ आइटम्स इतने कमजोर होते हैं, जिन पर हल्का सा धक्का लग जाए तो वह टूट जाएंगे। वहीं कुछ सामान ऐसे होते हैं, जो मजबूत होते हैं। ऐसे में अगर आप किसी आइटम को खरीदने के लिए अच्छा खासा बजट खर्च कर रहे हैं, तो आप मजबूत और टिकाऊ सामान लें।

फर्नीचर

घर को भरा और सुंदर दिखाने के लिए अक्सर लोग डिजाइनर फर्नीचर और सोफा खरीदना पसंद करते हैं। कई बार हम काम के लिए अलग–अलग फर्नीचर खरीदते हैं। ऐसे में आप अलग–अलग फर्नीचर खरीदने की जगह मल्टीपर्पज फर्नीचर ले सकते हैं। बेड और सोफा अलग–अलग लेने की बजाय आप सोफा कम बेड ले सकते हैं। मार्केट में इस तरह के तमाम फर्नीचर मौजूद हैं, जो बजट और समय दोनों की बचत करते हैं।

इको फ्रेंडली आइटम्स

डेकोरेशन का सामान खरीदने के दौरान प्रयास करें कि आप ऐसा सामान खरीदें, जो इको फ्रेंडली हों। ऐसी चीजों जिनको खराब होने पर उन्हें फेंकने से किसी तरह का कोई नुकसान न हो। आप घर के लिए आर्टिफिशियल प्लांट की जगह रियल इंडोर और आउटडोर प्लांट खरीदें।

संक्षिप्त

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 3,500 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के लिए एमएमआर में तीन भूखंड किए हासिल

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में तीन भूखंडों के अधिग्रहण की बोली हासिल कर ली है। कंपनी इन भूखंडों पर 3,500 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता वाली एक आवासीय परियोजना विकसित करेगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, महाराष्ट्र नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के ई–नीलामी मंच के अनुसार वह '' खारघर के सेक्टर 5–ए में एक प्रीमियम सथल पर समूह आवास परियोजना विकसित करने के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी है।' कंपनी सूचना के अनुसार, 6.54 एकड़ में फैले इन भूखंडों में करीब 20 लाख वर्ग फुट की विकास क्षमता होगी। इसकी अनुमानित संयुक्त राजस्व क्षमता करीब 3,500 करोड़ रुपये है। हालांकि, कंपनी ने इन तीन भूखंडों के सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया। ये भूखंड एक–दूसरे से जुड़े हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, ''खारघर सूक्ष्म बाजार में हमारा प्रवेश भारत के प्रमुख रियल एस्टेट बाजारों में हमारे खंड को मजबूत करने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।'' मजबूत आवास मांग के बीच गोदरेज प्रॉपर्टीज अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण जारी रखे हुए है।

देश में क्यों बढ़ रही महंगाई? भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में बताया ये कारण

नई दिल्ली। भारत में आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एसबीआई ने रिपोर्ट में बताया कि आयातित वस्तुओं की बढ़ती कीमतें देश की समग्र महंगाई में तेजी से योगदान दे रही है। सोना, तेल व वसा और रासायनिक उत्पादों की बढ़ती की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ रही है। आयातित मुद्रास्फीति किसी देश में आयातित उत्पादों की उच्च लागत के कारण वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में इजाफे को कहते हैं। रिपोर्ट में चिंता जताते हुए कहा गया है, ष्समग्र मुद्रास्फीति में आयातित मुद्रास्फीति का हिस्सा बढ़ा है। आयातित मुद्रास्फीति में सितंबर में 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले 13 महीनों में सबसे अधिक है। सोने की कीमतें, तेल व वसा और रासायनिक उत्पाद ने कीमतों के बढ़ने में सबसे अधिक योगदान दिया है। व्यापार जगत के नए आंकड़ों के अनुसार देश में सोने के आयात में उछाल आया है। देश ने सितंबर 2024 में 10.06 बिलियन अमरीकी डॉलर का सोना आयात किया। पिछले साल इसी महीने में 4.94 बिलियन डॉलर का सोना आयात किया गया था। सितंबर में इस वर्ष जनवरी से अब तक सबसे अधिक सोने का आयात किया गया। अकेले अगस्त 2024 में, मूल्य के लिहाज से सोने के आयात में 103. 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अप्रैल से अगस्त के दौरान आयात में 25.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, अगस्त में इसमें 62.24: की वृद्धि हुई, लेकिन अप्रैल–अगस्त की अवधि में इसमें 2.18: की गिरावट आई। बढ़ती आयातित मुद्रास्फीति के आंकड़े ऐसे समय पर सामने आए हैं जब देश में महंगाई का बढ़ना लगातार जारी है। भारत में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में नौ महीने के उच्च स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई। अगस्त में यह 3.65 प्रतिशत थी। इसका कारण यह मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों का बढ़ना रहा। सितंबर में खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति बढ़कर 8.36 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 5.30 प्रतिशत और सितंबर 2023 में 6.30 प्रतिशत थी। खाद्य क्षेत्र में सब्जियों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, इसने समग्र मुद्रास्फीति दर में 2.34 प्रतिशत का योगदान दिया। आयातित मुद्रास्फीति की बढ़ती हिस्सेदारी भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति के दबाव में इजाफा करती है। चूंकि भारत सोने और खाद्य तेलों जैसी आवश्यक वस्तुओं का लगातार आयात करता है, ऐसे में वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें घरेलू मुद्रास्फीति के स्तर को प्रभावित करती हैं। मूल्य और मात्रा दोनों के संदर्भ में सोने के आयात में तेज वृद्धि यह भी बताती है कि बाहरी कारक घरेलू बाजारों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं।

13 करोड़ भारतीय बेहद गरीब, रोज की कमाई 181 रुपये से भी कम, विश्व बैंक की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली/वाशिंगटन। करीब 12.9 करोड़ भारतीय वर्ष 2024 में अत्यधिक गरीबी में जीवन बसर कर रहे हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, इन भारतीयों की प्रतिदिन की आमदनी 181 रुपये (2.15 डॉलर) से भी कम है। वर्ष 1990 में यह संख्या 43.1 करोड़ थी। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा रफ्तार से दुनिया में गरीबी खत्म करने में एक सदी से भी अधिक समय लग सकता है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च गरीबी मानक के साथ मध्य आय वाले देशों के लिए गरीबी की तय सीमा प्रतिदिन 576 रुपये (6.85 डॉलर) है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि के चलते 1990 की तुलना में 2024 में अधिक भारतीय गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं। इससे पहले विश्व बैंक ने कहा था कि भारत में अत्यधिक गरीबी पिछले दो वर्षों में बढ़ने के बाद 2021 में 3.8 करोड़ घटकर 16.74 करोड़ रह गई। विश्व बैंक के मुताबिक, अगले दशक में वैश्विक अत्यधिक गरीबी में भारत का योगदान काफी कम होने का अनुमान है। यह अनुमान अगले दशक में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के साथ–साथ ऐतिहासिक विकास दरों पर आधारित है। भारत में 2030 में चरम गरीबी दर शून्य करने पर भी इस अवधि में दुनियाभर में अत्यधिक गरीबी दर 7.31 फीसदी से गिरकर 6.72 फीसदी ही रहेगी जो अभी भी तीन फीसदी के लक्ष्य से काफी ऊपर है।

धोनी को नहीं, अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स को इस स्टार को बतौर अनकैप्ड प्लेयर रिटेन करने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को एक अलग सा सुझाव दिया है। उन्होंने सीएसके को सलाह दी है कि वह आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले महेंद्र सिंह धोनी को बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन न करें। उन्होंने सीएसके को एक अनकैप्ड रिटेंशन के रूप में एक अलग नाम का प्रस्ताव दिया है। अश्विन ने कहा कि सीएसके को धोनी को कैप्ड खिलाड़ी के रूप में बनाए रखना चाहिए और पांच प्राइमरी रिटेंशन में से एक के रूप में चुनना चाहिए। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर रिटेंशन पर चर्चा करते हुए सुझाव दिया। अश्विन ने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि मुंबई इंडियंस छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकता है, तो सीएसके क्यों नहीं? उनके पास ऋतुराज गायकवाड़, जडेजा (रविंद्र जडेजा), (मथीशा) पथिराना, (शिवम) दुबे, एमएस धोनी और समीर रिजवी हैं।' इस पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रदर्शन विश्लेषक प्रसन्ना रमन ने अश्विन से कहा कि वह इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आपको समीर रिजवी को चार करोड़ रुपये में रखना चाहिए. मुझे यह भी नहीं पता कि वह चार करोड़ रुपये में खेलने के लिए राजी होंगे या नहीं।' रिज्वी को आईपीएल 2024 से पहले मिनी ऑक्शन में 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। हालांकि, पिछले सीजन रिज्वी प्रभावित करने में नाकाम रहे थे। उन्होंने 118 के स्ट्राइक रेट से आठ मैचों में सिर्फ 51 रन बनाए थे। इसके बावजूद अश्विन ने यूपी टी 20 लीग में उनकेअच्छे फॉर्म की प्रशंसा करते हुए सीएसके को सलाह दी है। उन्होंने बताया कि कई उसी तरह के खिलाड़ी उपलब्ध हैं, जिससे रिज्वी की कीमत ज्यादा नहीं बढ़ेगी। अश्विन ने कहा, 'वह हर दिन घरेलू टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह अलग स्तर पर खेल रहे हैं। अकेले दम पर यूपी टी20 में उन्होंने कई बड़ी पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। वह पावर हिटर हैं। वह शाहरुख खान, अभिनव मनोहर और ध्रुव जुरेल की श्रेणी में आते हैं।श आईपीएल संचालन परिषद ने इस नियम को वापस लाने का फैसला किया है कि भारतीय खिलाड़ी जो पांच या अधिक साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं खेले हैं, उन्हें श्अनकैप्डश के रूप में बरकरार रखा जा सकता है। ऐसे में सीएसके को पांच बार के आईपीएल विजेता कप्तान धोनी को सिर्फ चार करोड़ रुपये में बनाए रखने का मौका मिलेगा। हालांकि, अश्विन के दृष्टिकोण से सीएसके को एक मजबूत भारतीय कोर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। अश्विन ने 2008 और 2015 के बीच सीएसके के लिए खेला। इस दौरान उन्होंने सीएसके के साथ दो आईपीएल खिताब भी जीते।

डेल स्टेन ने छोड़ा एसआरएच का साथ, आईपीएल 2025 में नहीं होंगे टीम के गेंदबाजी कोच

साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन ने आईपीएल 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छोड़ दिया है। जी हां डेल स्टेन ने सनराइजर्स हैदराबाद से अपनी राहें अलग कर ली हैं। वह एसआरएच के बॉलिंग कोच थे, लेकिन अब वे किसी और फ्रेंचाइजी के साथ नजर आ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वे एसए20 लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की सिस्टर फ्रेंचाइजी सनराइजर्स ईस्टर्न केप में टीम के कोचिंग स्टाफ में बरकरार रहेंगे। डेल स्टेन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में उनके साथ कुछ सालों तक काम करने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद को बहुत–बहुत धन्यवाद। दुर्भाग्य से, मैं आईपीएल 2025 के लिए वापस नहीं आउंगा। हालांकि, मैं दक्षिण अफ्रीका में ।20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा। बता दें कि इस साल की शुरुआत में डेल स्टेन व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल 2024 के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में सनराइजर्स ने मुख्य कोच डेनियल विटोरी के साथ काम करने के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फ्रैंकलिन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया था। अपने खेल के दिनों में डेल स्टेन तीन फ्रेंचाइजियों का हिस्सा रहे थे। उन्होंने डेक्कन चार्जर्स और गुजरात लायंस के अलावा रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का भी प्रतिनिधित्व किया था। वे आखिरी बार 2020 में आईपीएल खेलते हुए नजर आए थे और फिर 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के कोच बने थे।

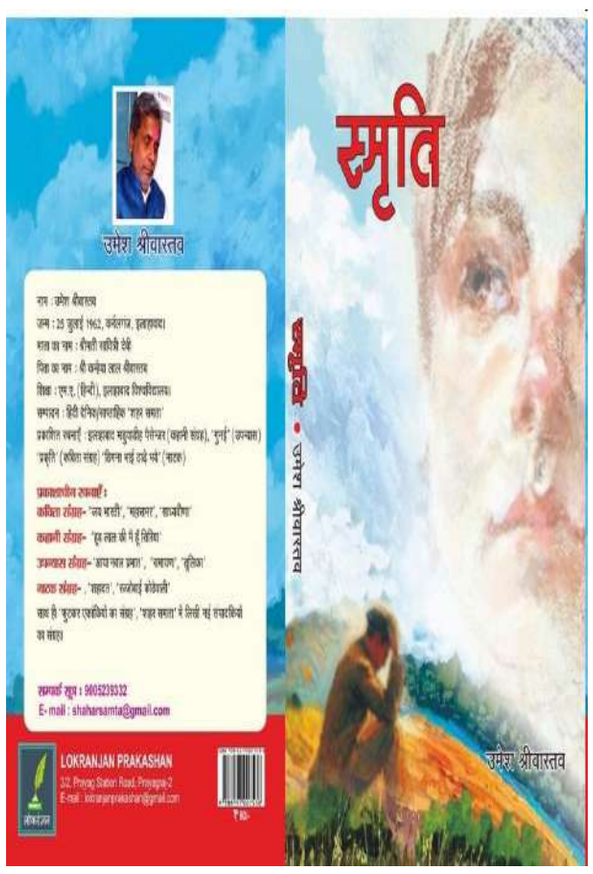

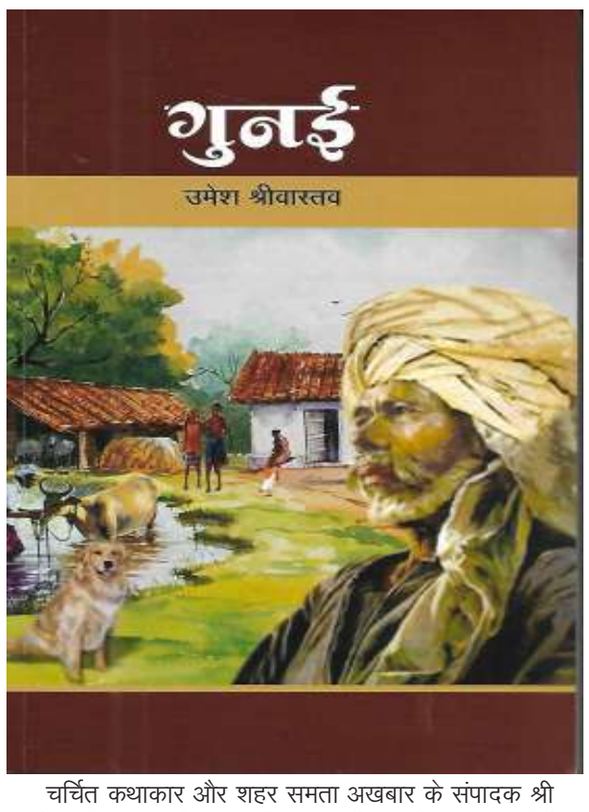

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

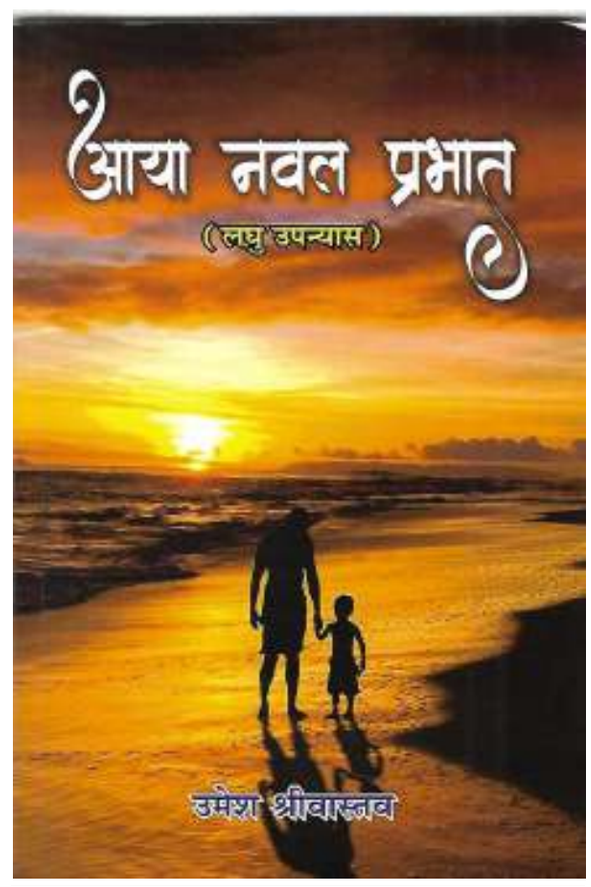

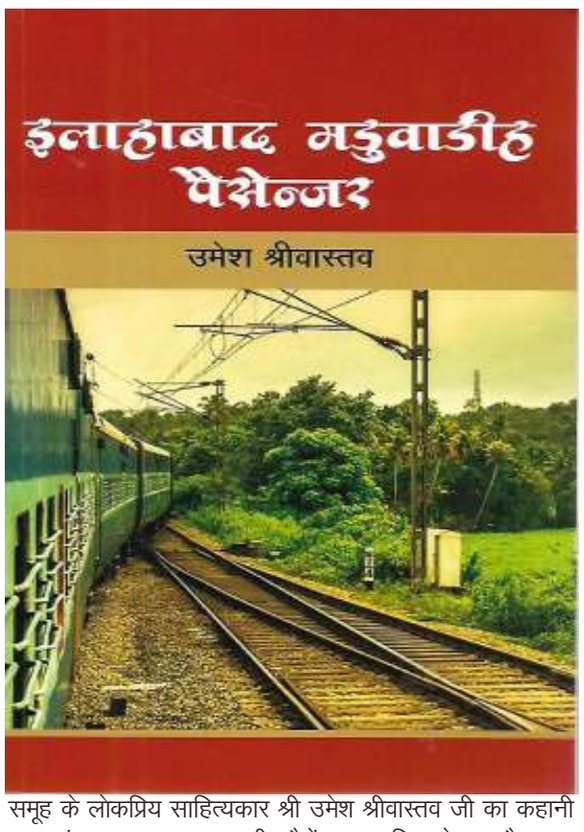

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

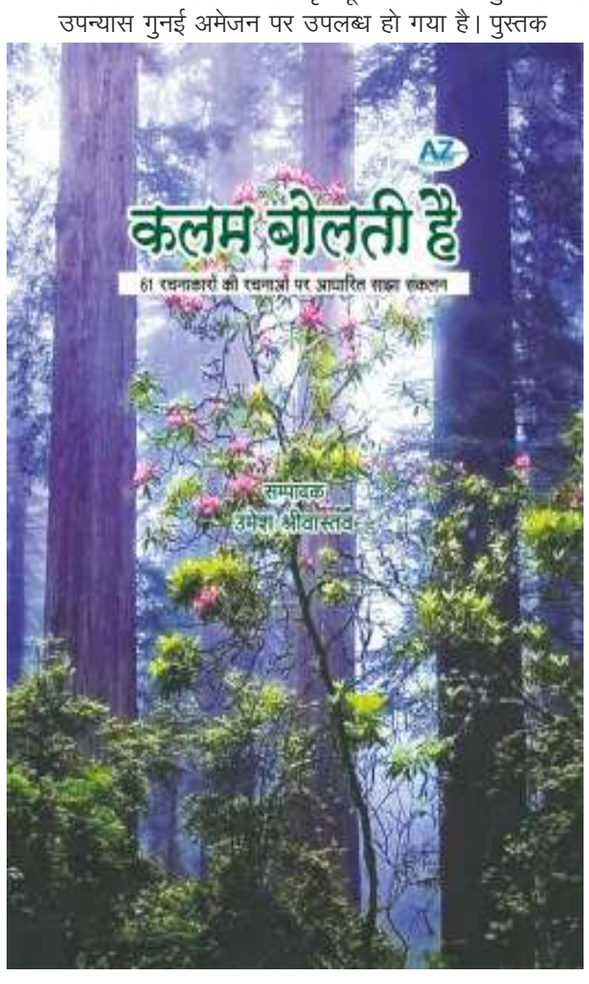

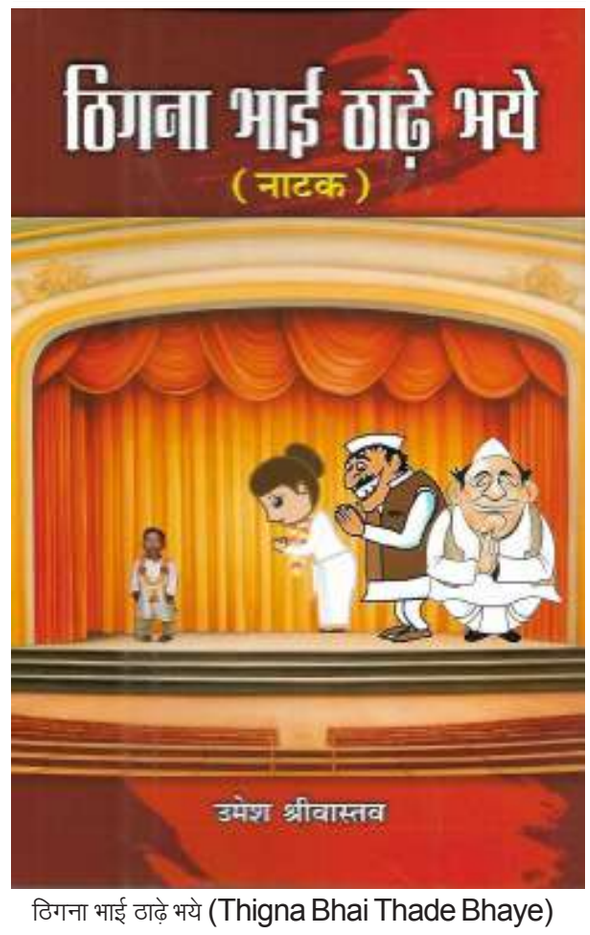

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

उ. कोरिया ने संशोधित संविधान में पहली बार द. कोरिया को 'शत्रु राष्ट्र' के रूप में परिभाषित किया

उत्तर कोरिया ने हाल में संशोधित किए गए अपने संविधान में दक्षिण कोरिया को पहली बार ''शत्रु राष्ट्र'' के रूप में परिभाषित किया है। उत्तर कोरिया ने इस बात की पुष्टि की है। उत्तर कोरिया की संसद ने देश के संविधान में परिवर्तन करने के लिए पिछले सप्ताह दो दिन तक बैठक की थी, लेकिन सरकारी मीडिया ने इस सत्र के बारे में तत्काल अधिक विवरण उपलब्ध नहीं कराया था। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने जनवरी में दक्षिण कोरिया को देश का मुख्य शत्रु घोषित करने, शांतिपूर्ण कोरियाई एकीकरण के लक्ष्य को

समाप्त करने तथा उत्तर कोरिया की संप्रभुता एवं क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए संविधान में बदलाव का आह्वान किया था। हाल में उत्तर कोरिया ने उन सड़कों और रेल संपर्क सुविधाओं को ध्वस्त कर दिया जो अब उपयोग में नहीं हैं और जो कभी उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से जोड़ती थीं। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने इन्हें ध्वस्त किए जाने के संबंध में बृहस्पतिवार को कहा कि संविधान दक्षिण कोरिया को एक शत्रु राष्ट्र के रूप में स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। केसीएनए ने संवैधानिक बदलाव के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया।

मैं नेतृत्व की नयी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हूं : कमला हैरिस

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को कहा कि वह भावी पीढ़ी के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं और राष्ट्रपति चुने जाने पर उनका कार्यकाल मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन एवं उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल से अलग होगा। हैरिस ने 'फॉक्स न्यूज' चौनल से साक्षात्कार के दौरान कहा, ''राष्ट्रपति के रूप में मेरा कार्यकाल जो

बाइडन के कार्यकाल का विस्तार नहीं होगा। पदभार ग्रहण करने वाले प्रत्येक नए राष्ट्रपति की तरह मैं भी अपने जीवन के अनुभव, अपने पेशेवर अनुभव और नए विचार लेकर आऊंगी। मैं नेतृत्व की नयी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए, मैं ऐसी व्यक्ति हूं जिसने अपने करियर का अधिकतर समय वाशिंगटन डी.सी. में नहीं बिताया है। मैं लोगों के विचारों का स्वागत करती हूं, चाहे वे मेरा समर्थन करने वाले रिपब्लिकन पार्टी के नेता हों, चाहे वे लोग हों जो कुछ मिनट पहले मेरे साथ मंच पर थे या व्यापार क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों के ऐसे लोग हों, जो मेरे द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों में योगदान दे सकते हैं।'' राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी एवं रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को इस चुनाव में खड़े होने के लिए अयोग्य बताया। उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका की आव्रजन प्रणाली खराब है जिसे दुरुस्त करने की आवश्यकता है। यह पूछे जाने पर कि बाइडन–हैरिस प्रशासन के दौरान कितने अवैध प्रवासी अमेरिका आए, हैरिस ने संख्या नहीं बताई लेकिन उन्होंने कहा, ''बात यह है कि हमारे पास एक खराब आव्रजन प्रणाली है जिसे दुरुस्त करने की आवश्यकता है।

भारतीय जांच समिति के साथ बैठक सार्थक रहीः अमेरिका

अमेरिका ने एक अमेरिकी सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश में भारतीय अधिकारी की संलिप्तता के आरोपों की जांच के लिए गठित भारतीय जांच समिति के देश के दौरे के दौरान हुई बैठक को ''सार्थक'' बताते हुए कहा कि वे भारत की ओर से मिले सहयोग से संतुष्ट हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम भारत से मिल रहे सहयोग से संतुष्ट हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। हम इस पर उनके साथ काम करना जारी रखेंगे, जैसे हम

उन्हें अपनी जांच के बारे में अद्यतन करते रहे हैं, उसी तरह हम उनकी जांच के संदर्भ में हमें लगातार जानकारी मुहैया करने की भी सराहना करते हैं।'' अमेरिका ने अमेरिकी सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश में एक भारतीय अधिकारी की संलिप्तता के आरोप लगाए हैं। मिलर इन आरोपों की जांच कर रही भारतीय जांच समिति के अधिकारियों के दौरे के बारे में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। मिलर ने कहा, ''कल हुई बैठक में हमने जांच समिति के सदस्यों को अमेरिका द्वारा की जा रही जांच के बारे में जानकारी दी। हमें इस संदर्भ में उनकी जांच के बारे में भी जानकारी मिली है।

नेपाल में मानव जनित जलवायु परिवर्तन से तीव्र हुईं बारिशें, बाढ़ जैसी आपदाओं का कारण बनीं

काठमांडू। नेपाल में सितंबर के अंत में भारी बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 240 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। अब एक रिपोर्ट में इस भारी बारिश और आपदाओं की तीव्रता को लेकर बड़ा खुलासा किया गया है। वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि नेपाल में मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण सामान्य से 10 प्रतिशत ज्यादा तीव्रता से बारिश हुई। अंतरराष्ट्रीय सहयोग संस्था वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ने नेपाल में शहरों के निचले, नदी किनारे वाले क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को सीमित करने और बार–बार उभरने वाली बाढ़ आपदाओं से बचने के लिए पूर्व चेतावनी

प्रणाली और तुरंत कार्रवाई की तत्काल जरूरत पर जोर दिया है। संगठन ने अपनी हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा कि नेपाल में तीन दिनों तक हुई भारी बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। नेपाल में 26 सितंबर से तीन दिनों तक हुई जबरदस्त बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बन गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ''मध्य और पूर्वी नेपाल में बारिश के रिकॉर्ड टूट गए, कुछ मौसम केंद्रों ने 28 सितंबर को 320 मिलीमीटर से अधिक बरसात दर्ज की थी। नेपाल में इस दौरान बाढ़ और भूस्खलन से 244 लोगों की जान चली गई थी। नेपाल के इन हालात पर संगठन ने चेतावनी दी, ''जब तक विश्व जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग नहीं करेगा, तब तक वर्षा की मात्रा में और भी अधिक बढ़ोतरी होगी, जिससे और ज्यादा विनाशकारी बाढ़ का खतरा बना रहेगा।'' हाल ही में काठमांडू में हुई भारी बारिश के कारण 50 से ज्यादा लोग मारे गए और अरबों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। यह अध्ययन 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' समूह के 20 शोधकर्ताओं द्वारा किया गया था जिसमें नेपाल, भारत, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों तथा मौसम संबंधी एजेंसियों के वैज्ञानिक शामिल थे। लंदन के इंपीरियल कॉलेज में पर्यावरण नीति केंद्र की शोधकर्ता मरियम जकारिया ने कहा, ''अगर वायुमंडल पूरी तरह जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन से भरा नहीं होता तो यह बाढ़ कम विनाशकारी होती।'' उन्होंने कहा, ''यह अध्ययन बढ़ती हुई बारिश के प्रति एशिया की संवेदनशीलता को दर्शाता है। अध्ययन ने सिर्फ 2024 में ही भारत, चीन, ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और अब नेपाल में भीषण बाढ़ पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को उजागर किया है।''

बांग्लादेश के न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ वारंट जारी किया

18 नवंबर तक गिरफ्तारी के दिए आदेश

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने गुरुवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 45 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जिन लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया गया है, उनमें आवामी लीग के कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इन पर हाल ही में हुए छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ कथित तौर पर अपराध का आरोप है। जस्टिस मोहम्मद गोलम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने अभियोजन पक्ष की ओर से आरोपियों के खिलाफ दायर गिरफ्तारी की मांग वाली दो याचिकाओं को लेकर यह आदेश जारी किया। मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने यह जानकारी दी। न्यायाधिकरण ने अफसरों को शेख हसीना समेत सभी 46 लोगों को 18 नवंबर

तक गिरफ्तार करने और पेश करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में जबरदस्त हिंसा हुई थी। शेख हसीना सरकार पर इस हिंसा के दौरान छात्र आंदोलन को दबाने की कोशिशों के आरोप लगे थे। इस आंदोलन में हिंसा के चलते सैकड़ों लोगों की जान भी गई थी। हालांकि, प्रदर्शनों के बढ़ने के बाद हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और वे भारत रवाना हो गई थीं। मौजूदा समय में शेख हसीना भारत में ही हैं।

शेख हसीना को लेकर क्या रहा है अंतरिम सरकार का रुख?

शेख हसीना के भारत रवाना होने के बाद बांग्लादेश में नोबेल विजेता और अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इस सरकार ने छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा फैलाने और हत्या के आरोपियों के खिलाफ अदालत में मामले चलाने का दावा किया था।

एससीओ की मीटिंग के बाद लंच टेबल पर एक-दूसरे के बगल में बैठे नजर आए पाकिस्तानी विदेश मंत्री और जयशंकर

क्रिकेट संबंधों को बेहतर बनाने पर हुई चर्चा

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ की बैठक के लिए पाकिस्तान गए। अभ मीटिंग के बाद एक बड़ी खबर वहां से सामने आ रही है। खबर ये है कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ से लंच टेबल पर भी हुई है। सूत्र बता रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ

बातचीत भी हुई है। इसके अलावा सूत्र ये दावा कर रहे हैं कि एक चिट चौट उस कॉमन हॉल में भी हुई है जहां सारे नेता खड़े थे। वहां भी पाकिस्तान के पीएम जयशंकर के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। हालांकि इसके पहले पाकिस्तानी पीएम के साथ एस जयशंकर की बातचीत की तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार ने दो मौकों पर अनौपचारिक बातचीत की और उनमें से एक में भारत–पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बातचीत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन के मौके पर हुई, लेकिन ठंडे द्विपक्षीय संबंधों में किसी भी तरह की नरमी का कोई संकेत नहीं मिला। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने जयशंकर की इस्लामाबाद यात्रा को आइस ब्रेकर बताया। सूत्रों ने बताया कि कल शाम एससीओ प्रतिनिधियों के लिए पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अपने आवास पर आयोजित रात्रिभोज समारोह में जयशंकर और डार के बीच एक अनौपचारिक बैठक हुई। उन्होंने कहा कि इसमें पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी शामिल हुए और संक्षिप्त बातचीत में क्रिकेट संबंधों में सुधार पर चर्चा हुई। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। यह पता चला है कि पाकिस्तानी पक्ष ने अगले साल फरवरी में पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी का अनुरोध किया था। जयशंकर और डार एससीओ कॉन्क्लेव के बाद आधिकारिक दोपहर के भोजन पर एक–दूसरे के बगल में बैठे और बातचीत में व्यस्त दिखे, जो सकारात्मक संकेत प्रतीत होता है।

यमन के हूती विद्रोहियों के भूमिगत बंकरों पर अमेरिका के 'बी–2' बमवर्षकों से किया गया हमला

अमेरिका के लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले 'बी–2' बमवर्षक से यमन के हूती विद्रोहियों के भूमिगत बंकरों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार तड़के इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हमले से कितना नुकसान हुआ है। यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाने के लिए 'बी–2 स्पिरिट' का इस्तेमाल करना आम बात नहीं है। 'बी–2 स्पिरिट' ऐसा बमवर्षक है जिसमें दुश्मन की नजर में आए बिना हमला करने की क्षमता है। गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल के हमलों के विरोध में हूती विद्रोही लाल सागर में कई महीनों से पोतों को निशाना बना रहे हैं।

'लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर मिले अत्याधुनिक रूसी हथियार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू का दावा

यरूशलम। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक फ्रेंच अखबार को बताया कि दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर अत्याधुनिक रूसी हथियार पाए गए थे। बुधवार को एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने बताया कि 2006 के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के तहत केवल लेबनानी सेना को देश की प्रमुख लितानी नदी के दक्षिण में हथियार रखने की अनुमति थी। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में हिजबुल्ला ने सैकड़ों सुरंगे और गुप्त ठिकाने बना रखा है, जहां से बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। अमेरिकी मीडिया ने इस्राइली अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी है कि लेबनान के अंदर इस्राइली छापेमारी में रूसी और चीनी टैंकर पाए गए। हालांकि, प्रधानमंत्री के बयान पर इस्राइली सेना ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस्राइल ने बताया कि हिजबुल्ला के खिलाफ सैन्य अभियानों का उद्देश्य केवल क्षेत्र को सुरक्षित रखना है, जिससे कि उत्तरी इस्राइल से निकाले गए 60,000 निवासी अपने घर लौट सकें। इस्राइल और हिजबुल्ला के सीमा पार गोलीबारी के कारण कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। नेतन्याहू ने कहा, ष्लेबनान में नया गृहयुद्ध एक त्रासदी होगी। हमारा उद्देश्य किसी को भड़काना नहीं है।

ताइवान में फिर घुसे चीन के 20 विमान और आठ नौसैनिक जहाज, सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा

चीन और ताइवान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। चीन लगातार ताइवान में घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। गुरुवार सुबह एक बार फिर चीन के 20 विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों ने ताइवान में प्रवेश किया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वह लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है। साथ ही सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया कि पीपुल्स लिब्रेरशन आर्मी (पीएलए) के 20 विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों ने ताइवान की सीमा में प्रवेश किया। 20 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के मध्य और दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में प्रवेश किया। इसे लेकर राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बयान के साथ ही घुसपैठ किए गए वाले स्थान का मानचित्र साझा किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमारे सशत्र बल स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही हमने भी घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए विमान, नौसैनिक जहाज और मिसाइलों को तैनात किया है। दरअसल, चीन ने पिछले दिनों ताइवान के सीमावर्ती इलाके में सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके चलते बार–बार चीन के विमान ताइवान की सीमा में घुस रहे हैं। गौरतलब है, ताइवान के आसपास चीन की सैन्य उपस्थिति हाल के वर्षों में काफी बढ़ गई है। द्वीप के आसपास लगातार उड़ानें और नौसैनिक युद्धाभ्यास होते रहते हैं। आए दिन ताइवानी मंत्रालय इसकी जानकारी देता रहता है। बीजिंग ने ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल का प्रयोग करने से इनकार नहीं किया है। वह लगातार ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश में लगा हुआ है। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोनश रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।